▪ RNI No. : TNHIN/2013/5252 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 173 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 18-01-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश में बदल देना चाहती हैं

6 असिस्टेंट कमांडेंट एशेंथुंग किकोनः जबरन वसूली कर रहे बदमाशों को दबोचा, बड़ी वारदात को किया नाकाम

7 आज के कैडेट कल भारत की ताकत होंगे : मनिका विश्वकर्मा

फर्स्ट टेक

इंडोनेशिया में यात्री विमान लापता, तलाश अभियान जारी

जकार्ता/एपी। इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा और सुलावेसी द्वीप के बीच स्थित एक पहाड़ी क्षेत्र के पास पहुंचते समय एक क्षेत्रीय यात्री विमान का ग्राउंड कंट्रोल से संपर्क टूट गया। विमान में 11 व्यक्ति सवार थे। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। अधिकारियों ने बताया कि खोज एवं बचाव अभियान जारी है। परिवहन मंत्रालय प्रवक्ता एंडाह पूर्णमा सारी ने बताया कि इंडोनेशिया एयर ट्रांसपोर्ट द्वारा संचालित टर्बोप्रॉप एटीआर 42-500 विमान योग्याकार्ता से दक्षिण सुलावेसी की राजधानी जा रहा था, तभी वह रडार से गायब हो गया। विमान का आखिरी बार अपराह्न 1:17 बजे दक्षिण सुलावेसी प्रांत के एक पहाड़ी जिले मारोस के लेआंग-लेआंग क्षेत्र में पता चला था। सारी ने एक बयान में कहा कि वायुसेना के हेलीकॉप्टर, ड्रोन और जमीनी इकाइयों के सहयोग से कई खोज और बचाव दल लगाये गए हैं।

गुजरात के कच्छ जिले में 4.1 तीव्रता का भूकंप आया, कोई हताहत नहीं

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात के कच्छ जिले में शुक्रवार एवं शनिवार की दरमियानी रात 4.1 तीव्रता का भूकंप आया जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने हालांकि बताया कि इस दौरान किसी के हताहत होने की जानकारी अभी नहीं मिली है। गांधीनगर स्थित भूकंपीय अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) के अनुसार, भूकंप शुक्रवार देर रात एक बजकर 22 मिनट पर आया और इसका केंद्र जिले के खावड़ा से लगभग 55 किलोमीटर उत्तर-उत्तरपूर्व में था। जिला आपदा प्रबंधन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान पहुंचने की कोई खबर नहीं है। कच्छ जिला 'अत्यधिक जोखिम' वाले भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है और यहां कम तीव्रता के भूकंप नियमित रूप से आते रहते हैं। वर्ष 2001 में कच्छ में आया भूकंप पिछली दो शताब्दियों में भारत का तीसरा सबसे बड़ा और दूसरा सबसे विनाशकारी भूकंप था।

18-01-2026 सूर्यास्त 6:03 बजे | 19-01-2026 सूर्योदय 6:35 बजे

BSE	NSE
83,570.35 (+187.64)	25,694.35 (+28.75)

सोना	चांदी
14,805 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	310,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

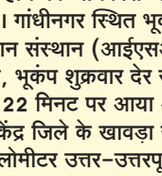

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

अधिनायक ट्रम्प

आतुर हैं शांति नोबल खातिर,
जो खुद अशांति का नायक है।
बेसुरा जिसे जग बतलाता,
वो श्रेष्ठ स्वयं भू गायक है।
लायक बस उसकी सोच मात्र,
सबको कहता नालायक है।
है लोकतंत्र का जनप्रतिनिधि,
पर समझे जयों अधिनायक है।

घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मालदा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर निशाना साधने के लिए घुसपैठ को मुख्य मुद्दा बनाया और आरोप लगाया कि बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासन ने राज्य की जनसांख्यिकी को बदल दिया है एवं इसके कारण दंगे हुए हैं। मोदी ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के ''संरक्षण और सिंडिकेट राज'' के चलते घुसपैठ में वृद्धि हुई है।

मोदी ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कवायद को लेकर जारी विवाद के बीच मतुआ समुदाय जैसे शरणार्थियों को भी आश्वस्त किया, जो पड़ोसी बांग्लादेश में धार्मिक उत्पीड़न के कारण पलायन कर भारत आए हैं।

मोदी ने मुस्लिम बहुल जिले मालदा में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए कहा कि घुसपैठ पश्चिम बंगाल के सामने एक बहुत बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि विकसित और समृद्ध देश भी अवैध प्रवासियों की पहचान करने और उन्हें बाहर करने के लिए ठोस कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आने पर पश्चिम बंगाल में घुसपैठियों पर नकेल कसने और अवैध प्रवासन को रोकने के लिए बड़े कदम उठाएगी।

मोदी ने भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाई

मालदा/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को मालदा टाउन स्टेशन से हावड़ा और गुवाहाटी (कामाख्या) के बीच भारत की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इसके साथ ही, उन्होंने यहां से गुवाहाटी-हावड़ा वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की वापसी को डिजिटल रूप से हरी झंडी भी दिखाई। इस मौके पर, प्रधानमंत्री ने ट्रेन के अंदर बच्चों और स्कूल छात्रों से भी बातचीत की।

संगम

प्रयागराज में जारी माघ मेले में मौनी अमावस्या से एक दिन पूर्व शनिवार को शाम छह बजे तक करीब 1.5 करोड़ लोगों ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। इससे पूर्व, मकर संक्रांति स्नान पर्व पर 1.03 करोड़ स्नानार्थियों ने जबकि एकादशी पर लगभग 85 लाख लोगों ने गंगा और संगम में स्नान किया था।

'भारत में जाति अभी भी सबसे बड़ा प्रवेश फॉर्म, भेदभाव विरोधी कानून की जरूरत'

नई दिल्ली/भाषा। दलित छात्र रोहित वेमुला की मौत के दस साल पूरे होने के मौके पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति (एससी) समुदाय के युवाओं की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है और देश में भेदभाव विरोधी कानून की सख्त जरूरत है।

हैदराबाद विश्वविद्यालय के 26 वर्षीय छात्र रोहित ने संस्थान में कथित उत्पीड़न के बाद 17 जनवरी 2016 को खुदकुशी कर ली थी, जिसके बाद उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिवाद के खिलाफ देशव्यापी प्रदर्शन शुरू हो गया था। इन विरोध-प्रदर्शनों में राहुल सहित कांग्रेस के कई नेता भी शामिल हुए थे।

राहुल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज रोहित वेमुला को गए 10 साल हो गए। लेकिन रोहित का सवाल आज भी हमारे सीने में धड़क रहा है : क्या इस देश में सबको सपने देखने का बराबर हक है? उन्होंने लिखा, रोहित पढ़ना चाहता था, लिखना चाहता था। वह विज्ञान, समाज और इंसानियत को समझकर इस मुल्क को बेहतर बनाना चाहता था। लेकिन इस व्यवस्था को एक दलित का आगे बढ़ना मंजूर नहीं था। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि संस्थागत जातिवाद, सामाजिक बहिष्कार, रोज-रोज की बेइज्जती, औकात दिखाने वाली भाषा और अमानवीय व्यवहार-यही वह जहर था, जिसने एक होनहार युवा को उस मुकाम तक धकेल दिया, जहां उसकी गरिमा छीन ली गई।

सोशल मीडिया लंदन की प्रदूषित नदियों जैसा हो गया है : स्टीफन फ्राई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। मशहूर ब्रिटिश लेखक और अभिनेता स्टीफन फ्राई का सोशल मीडिया को लेकर शुरुआती आशावाद अब गहरी चिंता में बदल गया है और आज के डिजिटल प्लेटफॉर्म की तुलना वह किसी जमाने की लंदन की प्रदूषित नदियों से करते हैं जो कभी जीवन देने वाली थीं, लेकिन बाद में अनियंत्रित व्यावसायिक हितों से दूषित हो गईं।

फ्राई सोशल मीडिया को हमेशा के लिए छोड़ चुके हैं। उन्होंने यहां शुक्रवार को जयपुर साहित्योत्सव (जेएलएफ) में अपने सत्र 'ए बिट ऑफ़ फ्राई' में माना कि शुरुआत में वह सोशल मीडिया की क्षमता से ''हैरान'' थे, जब उत्तरी अफ्रीका और मध्य पूर्व के लोग इसके जरिए भ्रष्टाचार को चुनौती देने और नेताओं को जवाबदेह ठहराने में सक्षम थे। उन्होंने कहा, ''शुरुआत में, मैं ही लोगों को यह समझाने की कोशिश कर रहा था कि ट्विटर लोगों के लिए क्या हो सकता है और वे कह रहे थे, 'ठीक है, तुम बस लोगों को बता रहे हो कि तुमने लंच में क्या खाया था'। तब मैंने कहा था, 'नहीं, नहीं, यह उससे कहीं ज़्यादा हो सकता है।''

फ्राई ने कहा, ''और यह वह दौर था जिसे तथाकथित 'अरब स्प्रिंग' कहा जाता है, जो ट्यूनीशिया में शुरू हुआ और फिर पूरे उत्तरी अफ्रीका तथा यमन तक फैल गया। यह सब बहुत बढ़िया लग रहा था। लेकिन वह तब की बात थी।'' तब से, सोशल मीडिया पर फ्राई का नज़रिया काफी बदल गया है और उन्होंने इस बदलाव को बताने के लिए एक शानदार रूपक का इस्तेमाल करते हुए कहा, ''मैं सोशल मीडिया को जलमार्ग के रूप में देखता हूं।'' इसकी तुलना ब्रिटेन की नदियों से करते हुए उन्होंने कहा कि वे अब बहुत ज़्यादा प्रदूषित हैं।

फ्राई ने कहा, ''पानी संचार, आनंद और संतुष्टि का एक साधन है। और सोशल मीडिया भी यही था, मैंने इसे बातचीत की नदियों के रूप में देखा, जो शुरुआती दिनों में शुद्ध थीं - आप उनमें तैर सकते थे, लोगों से मिल सकते थे, मज़े कर सकते थे।''

- शुरुआत में वह सोशल मीडिया की क्षमता से ''हैरान'' थे, जब उत्तरी अफ्रीका और मध्य पूर्व के लोग इसके जरिए भ्रष्टाचार को चुनौती देने और नेताओं को जवाबदेह ठहराने में सक्षम थे।

सीरिया की सेना का देइर हाफ़र शहर पर नियंत्रण

हमीमा (सीरिया)/एपी। सीरिया की सेना शनिवार को उत्तरी शहर के बाहरी इलाके में प्रवेश कर गई, जब कुर्द नेतृत्व वाले लड़ाकों की कमान ने संघर्ष से बचने के लिए इलाके को खाली करने की घोषणा की। इस महीने की शुरुआत में सीरिया के सबसे बड़े शहर अलेप्पो में सरकारी सैनिकों और अमेरिका समर्थित, कुर्द नेतृत्व वाली सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्स (एसडीएफ) के बीच हिंसक झड़पें हुई थीं। इन झड़पों का अंत कुर्द लड़ाकों के तीन इलाकों से निष्कासन के साथ हुआ, जिन्हें सरकारी बलों ने अपने नियंत्रण में ले लिया। शनिवार को बुलडोज़र द्वारा अवरोध हटाए जाने के बाद सैन्य टैंक, बख्तरबंद वाहन पास के हमीमा से देइर हाफ़र शहर की ओर बढ़ रहे थे। शहर की सीमा पर एसडीएफ की कोई मौजूदगी नहीं थी।

चीन का शिजियान-32 उपग्रह प्रक्षेपण मिशन विफल

शीचांग/भाषा। चीन के शीचांग उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से शिजियान-32 उपग्रह का प्रक्षेपण शनिवार को विफल रहा। इसके प्रक्षेपण में लॉन्ग मार्च-3बी वाहक रॉकेट का उपयोग किया गया था। दक्षिण-पश्चिमी सिचुआन प्रांत के प्रक्षेपण केंद्र से रॉकेट ने 00:55 बजे (बीजिंग समयानुसार) उड़ान भरी लेकिन उड़ान के दौरान एक असामान्य घटना घटित हुई।

प्रदर्शनों का समर्थन करने के लिए खामेनेई ने ट्रंप को 'अपराधी' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/एपी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान में प्रदर्शनकारियों का समर्थन करने के लिए अपराधी करार दिया और हजारों मौतों के लिए प्रदर्शनकारियों को जिम्मेदार ठहराया।

सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक संबोधन में, खामेनेई ने कहा कि विरोध प्रदर्शनों में कई हजार लोग मारे गए हैं। यह 28 दिसंबर से शुरू हुए विरोध प्रदर्शनों की लहर और उसके बाद हुए खूनी दमन में हताहतों की संख्या को लेकर किसी ईरानी नेता की ओर से पहला संकेत है। खामेनेई ने कहा, इस विद्रोह में अमेरिकी राष्ट्रपति ने बयान दिए, देशद्रोहियों को उकसाया और कहा: 'हम आपका समर्थन करते हैं, हम आपको सैन्य सहायता प्रदान करेंगे''।''

खामेनेई ने इस आरोप को दोहराया कि अमेरिका ईरान के आर्थिक और राजनीतिक संसाधनों पर प्रभुत्व स्थापित करना चाहता है। उन्होंने कहा, हम अमेरिकी राष्ट्रपति को अपराधी मानते हैं, क्योंकि उन्होंने जानमाल का नुकसान पहुंचाया है और ईरान पर आरोप लगाए हैं।

खामेनेई ने प्रदर्शनकारियों को अमेरिका के सैनिक बताया और कहा कि उन्होंने मस्जिदों और शिक्षण केंद्रों को तबाह कर दिया। उन्होंने कहा, लोगों को चोट पहुंचाकर उन्होंने हजारों लोगों को मार डाला।

बहरहाल, ट्रंप ने अपेक्षाकृत नरम रुख अपनाते हुए ईरान के नेतृत्व को हिरासत में लिए गए 800 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को फांसी न देने के लिए धन्यवाद दिया। इसे इस बात के संकेत के रूप में देखा जा रहा है कि ट्रंप प्रशासन संभावित सैन्य कार्रवाई से पीछे हट सकता है।

हाल के दिनों में, ट्रंप ने प्रदर्शनकारी ईरानियों से कहा था कि मदद आ रही है और यदि प्रदर्शनकारियों की हत्या जारी रहती है या यदि ईरानी अधिकारी हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को फांसी देते हैं तो उनका प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा।

'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की सैन्य शक्ति और प्रधानमंत्री की राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रमाण : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत की अजेय सैन्य शक्ति का प्रमाण है, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और सशस्त्र बलों की निर्णायक मारक क्षमता से बल मिला। गृह मंत्री ने शनिवार को भारत मंडपम में आयोजित विश्व पुस्तक मेले के दौरान ये टिप्पणियां कीं।

शाह ने 'वंदे मातरम पवेलियन' व 'ऑपरेशन सिंदूर पवेलियन' का दौरा किया और देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल पर केंद्रित विशेष प्रदर्शनी भी देखी। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित साहित्यिक कृति आनंद मठ में वर्णित वंदे मातरम् गीत ने लाखों भारतीयों को स्वतंत्रता संग्राम छेड़ने और ब्रिटिश शासन को समाप्त करने के लिए प्रेरित किया।

शाह ने जनता से मेले में आने का आग्रह किया और बच्चों को आनंद मठ की प्रतियां वितरित कीं। शाह ने 'एक्स' पर कहा, नयी दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में अपने जैसे पुस्तक प्रेमियों के साथ शामिल हुआ। पुस्तकें ज्ञान प्राप्त करने का सर्वोत्तम माध्यम हैं और व्यक्ति को उम्र की परवाह किए बिना पढ़ना जारी रखना चाहिए। पढ़ने की आदत तेजी से लुप्त हो रही है और मेरा मानना है कि पुस्तकें, चाहे डिजिटल हों या मुद्रित, ज्ञान प्राप्त करने का सर्वोत्तम तरीका हैं।

गृह मंत्री ने सात नवंबर, 1875 को साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में पहली बार प्रकाशित राष्ट्रगीत के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

सरकार द्वारा जारी एक बयान में शाह के हवाले से कहा गया, ऑपरेशन सिंदूर' प्रधानमंत्री मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, सशस्त्र बलों की निर्णायक मारक क्षमता और सटीक खुफिया जानकारी से संचालित भारत की अजेय सैन्य शक्ति का प्रमाण था। मैंने नयी दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में 'ऑपरेशन सिंदूर पवेलियन' का दौरा किया। यह पवेलियन युवा पीढ़ी को देशभक्ति और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता से प्रेरित करता है।

गृह मंत्री ने मेले में सरदार पटेल पर विशेष प्रदर्शनी का भी दौरा किया।

सहज स्मृति योग

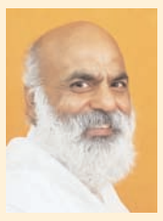

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न : प्रणाम गुरुजी, शास्त्र मत और लोक मत तो यह है ही, साथ ही आप भी यही कहते हैं कि, जैसा आचरण समाज के शीर्ष पर बैठे व्यक्ति करते हैं, लोक में उसी तरह के व्यवहार का अनुवर्तन होने लगता है। मेरा प्रश्न यह है कि मैं भारत के राष्ट्र रक्षा संबंधी एक अति विशिष्ट पद पर बैठे धुरंधर व्यक्ति ने यह वक्तव्य दिया है कि बदले की भावना रहनी चाहिए। क्या आप इससे सहमत हैं कि मनुष्य में बदले की भावना रहनी चाहिए ?

उत्तर: पहली बात तो यह है कि युद्ध की स्थिति में युद्ध किया जाता है, यही युद्ध नीति है।नीति निर्धारण या शांति प्रस्ताव या तो युद्ध के पूर्व या फिर युद्ध के बाद ही शोभा देते हैं। और युद्ध के दौरान प्रतिद्वंद्वियों के बीच प्रतिशोध लेने-देने के अतिरिक्त और कौन-सा, क्या या कैसा पारस्परिक व्यवहार होता ही है ? युद्धकर्म में प्रतिद्वंद्वियों में परस्पर बदला(प्रतिशोध) लेने की भावना होना युद्ध-धर्म या युद्ध-कर्म के अनुकूल है। इसलिए रक्षा-क्षेत्र के विशिष्ट व्यक्ति उचित ही कह रहे हैं। किंतु वही व्यक्ति जब धर्म और आध्यात्मिक क्षेत्र में प्रविष्ट होंगे तो उनका मत बदल जाएगा। धर्म-युद्ध और युद्ध-धर्म में अंतर है।

बच्चे जानें कि बंटवारा गलत था, इसे कभी दोहराया नहीं जाना चाहिए : सुधा मूर्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मशहूर लेखिका सुधा मूर्ति ने शनिवार को यहां कहा कि भारत के अतीत, खासकर बंटवारे की कहानी बच्चों के लिए समझना ज़रूरी है। मूर्ति ने कहा कि उन्होंने अपनी नयी किताब, द मैजिक ऑफ़ द लॉस्ट इयररिंग्स में जानबूझकर इस संवेदनशील विषय को उठाया है, ताकि युवा पाठकों को यह एहसास हो सके कि यह एक गलती थी, जिसे कभी दोहराया नहीं जाना चाहिए। उन्नीसवें 'जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल' (जेएलएफ) में सुधा मूर्ति ने कहा कि अपने नए उपन्यास में इतिहास के इस दर्दनाक अध्याय को खोजने की प्रेरणा उन्हें अपनी नातिन, अनुष्का सुनक से मिली। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी नातिन को यह समझाना था कि अगर आप इतिहास नहीं जानते, तो आप अपना भविष्य नहीं समझ पाएंगे... जब मैं बंटवारे को देखती हूं, तो मुझे हमेशा लगता है कि मुझे बच्चों को बताना चाहिए यह हुआ था। जो हुआ वह गलत था और इसे दोहराया नहीं जाना चाहिए। मुझे उन लोगों के लिए बहुत दुख हुआ जो आज के पाकिस्तान और बांग्लादेश से पलायन कर गए थे। उनकी नातिन पर ही किताब का मुख्य किरदार, नूनी आधारित है। सुधा मूर्ति को सुनने के लिए सभी उम्र के लोग बड़ी संख्या में मौजूद थे। राज्यसभा सदस्य सुधा मूर्ति ने कहा, सिर्फ इसलिए कि एक ऐसे व्यक्ति ने, जिसे भारत के बारे में कुछ नहीं पता था – उसकी संस्कृति या उसकी भाषाओं के बारे में कुछ नहीं जानता था, उसने एक पेंसिल ली और एक लाइन खींच दी, और कहा कि उस पल से यह ज़मीन अब उनकी नहीं रही और एक विदेशी ज़मीन बन गई। यह कितना दिल तोड़ने वाला है। अपने निजी अनुभव से मूर्ति ने अपने दामाद और ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के परिवार के इतिहास का ज़िक्र किया, जिनके परिवार को दो बार विस्थापित होना पड़ा पहली बार बंटवारे के दौरान और बाद में अफ्रीका में। पचहत्तर वर्षीय सुधा मूर्ति ने बताया कि सुनक के दादा-दादी मूल रूप से उन इलाकों के थे, जो अब पाकिस्तान में हैं और बंटवारे के दौरान उन्हें सब कुछ छोड़कर जाना पड़ा था। नैरोबी में अपनी ज़िंदगी फिर से बनाने के बाद, उन्हें फिर से विस्थापित होना पड़ा और आखिरकार वे लंदन चले गए, जब सुनक के पिता दस साल के थे।

मूर्ति ने कहा, बार-बार अपना घर

खोना एक ऐसी मुश्किल है, जिसे बहुत कम लोग सच में समझ पाते हैं। उन्हें अपना घर छोड़ना पड़ा, कारोबार और बाकी सब धन संपत्ति छोड़नी पड़ी। अफ्रीका में अपनी ज़िंदगी फिर से बनाई, और लंदन में बसने से पहले उन्हें फिर से विस्थापित होना पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि वह अपनी नातिन को यही समझाना चाहती थीं कि आज लोग जिस शांति का आनंद लेते हैं, उसके पीछे कितने प्रयास और बलिदान है। उन्होंने समझाया, मैं उसे बताना चाहती थी कि ज़मीन और आज़ादी आसानी से नहीं मिलती। हमारे पूर्वजों ने बहुत मेहनत की, एक से ज़्यादा बार अपने घर खोए, और फिर भी हिम्मत से अपनी ज़िंदगी फिर से बनाई। बंटवारे पर सुधा मूर्ति ने रातों-रात अपने ही देश में शरणार्थी बन गए लोगों के सदमे का वर्णन किया। उन्होंने विशेष रूप से सिंधी समुदाय के लिए चिंता व्यक्त की, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि उन्हें एक अपरिवर्तनीय सांस्कृतिक नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा, कम से कम पंजाब में, बंटवारे के बाद, पंजाबी एक और ज़मीन ढूंढ पाए, जिसे पंजाब कहा जाता था, जहाँ उनकी भाषा बोली जाती थी। बंगाल के साथ भी ऐसा ही है। लेकिन सिंधियों के लिए नुकसान कहीं ज़्यादा गहरा था। उन्होंने न केवल अपनी ज़मीन खोई, बल्कि उन्हें अपनी कोई ज़मीन नहीं मिली। मूर्ति ने कहा, उन्होंने अपनी ज़मीन, अपनी भाषा और अपनी संस्कृति खो दी। अगली पीढ़ी हिंदी बोलने लगी, और तीन पीढ़ियों के भीतर, सिंधी उन भाषाओं में से एक बन गई, जिन्हें भुला दिया गया।

हालांकि, उन्हें विस्थापन का कोई व्यक्तिगत अनुभव नहीं है और उन्होंने अपना पूरा जीवन कर्नाटक में बिताया है। मूर्ति ने कहा कि लगभग दो दशक पहले पाकिस्तान की अपनी यात्रा के दौरान बंटवारे के सदमे के परिणाम ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया -- एक बार तक्षशिला संग्रहालय में और दूसरी बार जब वह एक दोस्त के साथ उसके बंटवारे से पहले के घर गई थीं। मूर्ति ने याद किया कि एक संग्रहालय में उनसे ज़्यादा प्रवेश शुल्क लिया गया, क्योंकि वह एक विदेशी थीं। उन्होंने कहा, मुझे इस बात का बहुत दुख हुआ कि मेरा इतिहास, खाना और परंपराएं एक जैसी थीं, फिर भी सिर्फ़ एक बॉर्डर खींचने की वजह से मैं एक विदेशी बन गई। दूसरी घटना, लाहौर में एक दोस्त के पुश्तैनी घर जाना, जहाँ आम के पेड़ से लेकर पुराने सीमेंट में बने पैरों के निशान तक, निजी यादें अभी भी वैसी ही थीं। मूर्ति ने कहा, उसका दुख देखकर मुझे एहसास हुआ कि एक गलत फैसला बच्चों की पीढ़ियों को कैसे प्रभावित कर सकता है। उनका नवीनतम उपन्यास, उनकी सबसे ज़्यादा बिकने वाली 'मैजिक सीरीज़' का तीसरा उपन्यास है, जो नूनी के अपने नाना-नानी के साथ छुट्टियों की योजना बनाने से शुरू होता है और यात्रा के पहले पड़ाव में उसे झुमकों की एक जोड़ी मिलती है, जो गलती से उसके सामान में आ गई थी। जल्द ही झुमकों के असली मालिक की तलाश शुरू होती है, जो भारत के विभाजन, विस्थापन और कई अन्य संवेदनशील मुद्दों को सामने लाती है।

चैकिंग

उत्तर प्रदेश पब्लिक सर्विस कमीशन टीचर एग्जाम में बैठने से पहले उम्मीदवारों को सिक्योरिटी चेक से गुज़रना पड़ा।

कांग्रेस ने अमेरिका-पाकिस्तान सैन्य अभ्यास को लेकर सरकार पर निशाना साधा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर शनिवार को निशाना साधते हुए कहा कि अमेरिकी और पाकिस्तानी बलों के संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास से खुद को विश्वगुरु बताने और शेखी बघारने की कूटनीति को एक और झटका लगा है। अमेरिकी और पाकिस्तानी सैनिकों ने पब्बी के राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी केंद्र में आयोजित 'इंस्पायर्ड गैंबिट 2026' नामक प्रशिक्षण अभ्यास में हिस्सा लिया। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस के महासचिव और संचार मामलों के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा, खुद को विश्वगुरु बताने और शेखी बघारने वाली कूटनीति को एक और झटका लगा है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने अभी-अभी एक बयान जारी किया है जिसमें बताया गया है कि अमेरिकी और पाकिस्तानी सेना के जवानों ने संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास पूरा कर लिया है।... रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के जरिए कहा, जून 2025 में, तत्कालीन अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख जनरल माइकल कुरिल्ला ने पाकिस्तान को आतंकवाद-रोधी लड़ाई में 'शानदार सहयोगी' बताया था। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप स्वयं भी उन फील्ड मार्शल असीम मुनीर के प्रति अपनी मुखर प्रशंसा बार-बार व्यक्त कर चुके हैं।

मेला

प्रयागराज में माघ मेले के दौरान 'मौनी अमावस्या' त्योहार से पहले पवित्र डुबकी लगाने के लिए लोग एक तैरते हुए पोंटून पुल पर जमा हुए।

कांग्रेस विधायक ने 'खूबसूरती' को बलात्कार व 'तीर्थ फल' से जोड़ा,पार्टी ने बताया व्यक्तिगत विचार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/इंदौर/भाषा। मध्यप्रदेश में कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया ने महिलाओं की 'खूबसूरती' को कथित तौर पर बलात्कार और अनुसूचित जाति-जनजाति समाज की महिलाओं के खिलाफ यौन अपराधों को 'तीर्थ फल' से जोड़कर एक नया राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है।

बरैया का यह बयान शनिवार को ऐसे समय में आया, जब लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष दूषित जल त्रासदी के पीड़ितों और उनके परिजनों से मिलने के लिए इंदौर के दौरे पर थे।

मुख्यमंत्री मोहन यादव और राज्य की सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बरैया की टिप्पणी की कड़ी निंदा की और उम्मीद जताई कि गांधी, कांग्रेस विधायक के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

विवाद होने के बाद कांग्रेस ने बरैया के बयान को 'व्यक्तिगत विचार' करार दिया और इससे किनारा करते हुए उनसे स्पष्टीकरण की मांग की।

हालांकि, अपने बयान पर कायम रहते हुए बरैया ने दावा कि उनकी टिप्पणी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग की 40 करोड़ महिलाओं के हित में है।

अपने बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाले दतिया के भांडेर से कांग्रेस विधायक बरैया ने एक मीडिया संस्थान को दिए साक्षात्कार में विवादित टिप्पणी की थी, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है।

वीडियो में बरैया यह दावा करते नजर आ रहे हैं कि भारत में सबसे ज्यादा बलात्कार अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अति पिछड़ा वर्ग (एमबीसी) की महिलाओं से होते हैं। उन्होंने कहा, तो मेरा कहने का मतलब है... बलात्कार का सिद्धांत यह है कि आदमी रास्ते में जा रहा है और उसे अगर खूबसूरत लड़की दिखाई दी, सुंदर अति सुंदर... तो उसका दिमाग विचलित हो सकता है। तो बलात्कार हो सकता है।

बरैया ने सवालिया अंदाज में कहा आदिवासियों, दलितों और ओबीसी में कौन सी अति सुंदर स्त्री है? उन्होंने कहा, क्यों होता है बलात्कार (इन वर्गों की महिलाओं के साथ)? क्योंकि उनके धर्म ग्रंथों में इस तरह के निर्देश दिए गए हैं।

संवाददाता द्वारा यह पूछे जाने पर कि यह किस धर्म ग्रंथ में लिखा गया है, इसके जवाब में बरैया ने कोई स्पष्ट उत्तर नहीं दिया। उन्होंने संस्कृत के एक श्लोक की कथित तौर पर व्याख्या करते हुए कहा कि 'धर्म ग्रंथों' में यह उल्लेख है कि फलां जाति की महिला से संबंध बनाने पर इस 'तीर्थ का फल' मिलेगा। उन्होंने कहा, अब वह नहीं जा पाता (तीर्थ) तो घर में बैठे विकल्प क्या दिया गया? घर बैठे इनकी औरतों को पकड़कर संबंध बनाओ तो ये फल मिल जाएगा? ... तो क्या करेगा फिर? अंधेरे में वह किसी को पकड़ने की कोशिश करेगा। एक व्यक्ति एक महिला का कभी बलात्कार नहीं कर सकता। अगर वह सहमत नहीं है तो नहीं करेगा। मुख्यमंत्री यादव ने भोपाल में यूनियन कार्बाइड परिसर का दौरा करने के बाद पत्रकारों से कहा, राहुल गांधी इंदौर आ रहे हैं। समाज में जहर घोलने वाला बयान देकर फूल सिंह बरैया ने सामाजिक विद्वेष फैलाने का काम किया है। उन्होंने कहा, मैं उम्मीद करूंगा कि राहुल गांधी आकर के अपने विधायक से भी कहें, उन्हें निलंबित करें, पार्टी से बाहर करें ताकि लगे कि उनके मन में समाज के बाकी वर्गों के लिए भी कोई सम्मान है। मैं उनके इस बयान की निंदा करता हूं। फूल सिंह बरैया विधायक हैं, इसलिए मैं मानकर चलता हूं कि उनका उत्तरदायित्व है कि वह इस प्रकार की बातों से बचें।

भाजपा की मध्यप्रदेश इकाई के मीडिया प्रभारी आशीष उषा अग्रवाल ने बरैया के बयान का कथित वीडियो सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया और कांग्रेस से निष्कासित किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि महिलाओं को 'खूबसूरती के तराजू' पर तौलना और एससी-एसटी समाज की महिलाओं के साथ बलात्कार जैसे जघन्य अपराध को 'तीर्थ फल' कहना अपराधी मानसिकता की स्वीकारोक्ति है। बाद में वहां पत्रकारों से बातचीत में भांडेर विधायक ने 'रुद्रयामल तंत्र' में उल्लेखित 'चांडाली तु स्वयं काशी' (चांडाल कन्या स्वयं काशी है) का हवाला दिया और अपने बयान को उचित बताया। उन्होंने कहा कि एसटी और एससी समाज की महिलाओं के साथ बलात्कार होता है और दो-दो साल की बच्चियों के साथ होता है तो 'मैं क्या चुप बैठा रहूं'।

नौ दिवसीय रामकथा का उद्घाटन

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने शनिवार को पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, जैन धर्मगुरु आचार्य लोकेश और रामकथा वाचक मोरारी बापू के साथ भारत मंडपम में नौ दिवसीय रामकथा का उदघाटन किया।

आधिकारिक बयान के अनुसार, 17 से 25 जनवरी के बीच इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति ने कहा कि जैन संत द्वारा आयोजित रामकथा एक ऐतिहासिक पहल है और उन्होंने आचार्य लोकेश के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने मोरारी बापू के प्रति सम्मान व्यक्त किया। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने उल्लेख किया कि आचार्य लोकेश द्वारा आयोजित 'सनातन महाकुंभ' का उद्देश्य भारत की आध्यात्मिक नींव को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आयोजित हो रही मोरारी बापू की 971वीं रामकथा विश्व शांति और सद्भाव का संदेश व्यापक जनसमूह तक पहुंचाएगी।

समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों तक रामकथा पहुंचाने की परंपरा मोरारी बापू ने ही शुरू की। उन्होंने कहा, मोरारी बापू ने हाशिए पर रहने वाले समुदायों के बीच रामकथा परंपरा की शुरुआत की और करुणा और मानवता के इसके संदेश को सीमाओं से परे पहुंचाया।

कई भारतीय नागरिक वाणिज्यिक उड़ानों के जरिए ईरान से लौटे

नई दिल्ली/भाषा। ईरान में महंगाई और मुद्रा अवमूल्यन को लेकर जारी व्यापक विरोध-प्रदर्शनों के बीच कई भारतीय नागरिक वाणिज्यिक उड़ानों के जरिये स्वदेश लौट आए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, भारतीय नागरिकों को लेकर आने वाली कई वाणिज्यिक उड़ानें शुक्रवार रात दिल्ली हवाईअड्डे पर उतरीं। हालांकि, फिलहाल यह ज्ञात नहीं है कि इन उड़ानों से कितने भारतीय स्वदेश लौटे हैं।

अली नकवी उन 12-13 यात्रियों के समूह में शामिल थे, जो एक वाणिज्यिक उड़ान से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पहुंचे। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें ईरान में कोई समस्या झेलनी पड़ी, नकवी ने कहा, हमें किसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। नकवी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हम तेहरान से लौट आए हैं। पहले हम इराक में थे, फिर ईरान गए। वहां आठ दिन रुकने के बाद हम भारत लौट आए हैं।

शिराज के एक मेडिकल कॉलेज में पढ़ने वाली छात्रा ने कहा, इंटरनेट काम नहीं कर रहा था। इसलिए, हमें ठीक से पता नहीं था कि देश में क्या हो रहा है।

छात्रा ने बताया कि वह जिस शहर में रह रही थी, वहां हालात ठीक थे। उसने कहा, हम भारत सरकार की ओर से किए गए इंतजाम के तहत नहीं, बल्कि खुद से एक वाणिज्यिक उड़ान के जरिये वापस आए हैं।

शुक्रवार रात कई लोग ईरान से लौटे अपने रिश्तेदारों को लेने के लिए हवाईअड्डे पर पहुंचे।

वापस आए कई भारतीय चिंता से घिरे हुए दिख रहे थे। हालांकि, उन्होंने कहा कि तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ईरान में मौजूद अपने सभी नागरिकों को उपलब्ध संचार माध्यमों से ढांढस बंधा रहा है, यात्रा परामर्श से अवगत करा रहा है और वापसी की प्रक्रिया के बारे में बता रहा है।

ईरान से लौटी अपनी मां और चाची को लेने पहुंचे अब्बास काजमी ने कहा, हम निश्चित तौर पर चिंतित थे, क्योंकि यह एक वैश्विक मुद्दा है और जब इंटरनेट सेवाएं बंद हो गईं, तो हम काफी परेशान हो गए।

काजमी ने कहा, लेकिन जैसे ही संचार व्यवस्था बहाल हुई, हमें एहसास हुआ कि स्थिति नियंत्रण में है। हमें तसल्ली मिली कि सब ठीक है। परामर्श जारी होते ही हमने दूतावास में पंजीकरण करा लिया और आगे के निर्देशों का इंतजार करने लगे। मेरी मां की उड़ान पहले से ही निर्धारित थी, इसलिए सब कुछ सुचारु रूप से हो गया और हम खुश हैं।

हवाईअड्डे पर कुछ अभिभावकों ने ईरान से लौटे अपने बच्चों का फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया। एक पिता ने अपनी बेटी को सीने से लगा लिया। इस दौरान उसकी आंखों से खुशी और राहत के आंसू छलक पड़े। तेहरान से लौटी एक छात्रा ने बताया, काफी मुश्किल दौर था। सड़कों पर हालात तनावपूर्ण थे और इंटरनेट सेवा बंद होने की वजह से हमें लग रहा था कि हम दुनिया से कट गए हैं। अब भारत लौटकर और अपने परिजनों से मिलकर हमें बड़ी राहत मिली है तथा हम सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। ईरान से वापस आए एक अन्य छात्र शाजिद ने बताया कि स्थिति अनिश्चित थी और संचार माध्यम के ठप होने से डर का एहसास बढ़ गया था।

शाजिद ने कहा, यात्रा की व्यवस्था के बारे में जानकारी मिलते ही राहत नसीब हुई। घर पहुंचकर अपने परिवार के सदस्यों से मिलना और उन्हें राहत की सांस लेते देखना वाकई बहुत सुखद था।

अंडमान को भारत की 'नीली अर्थव्यवस्था' के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा: केंद्रीय मंत्री

श्री विजय पुरम/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को भारत की नीली अर्थव्यवस्था के केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कहा कि भविष्य में भारत का आर्थिक मूल्यवर्धन अनछुए समुद्री संसाधनों से आएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नीली अर्थव्यवस्था पर सरकार का गहरा ध्यान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उस नजरिये को दर्शाता है कि भारत केवल मुख्य भूमि पर ध्यान केंद्रित करके और द्वीप क्षेत्रों तथा तटीय क्षेत्रों को पीछे छोड़कर विकसित नहीं हो सकता। उन्होंने अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में नीली अर्थव्यवस्था और आजीविका को बढ़ावा देने के लिए प्रमुख समुद्री प्रौद्योगिकी पहलों की समीक्षा की। उन्होंने 'अटल सेंटर फॉर ओशन साइंस एंड टेक्नोलॉजी फॉर आइलैंड्स' की यात्रा के दौरान वैज्ञानिकों और अधिकारियों से कहा कि 2047 तक भारत के एक विकसित राष्ट्र बनने की यात्रा में 'डीप ओशन मिशन' निर्णायक भूमिका निभाएगा।

सिंह ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2023 और 2024, दोनों वर्षों में स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से डीप ओशन मिशन की घोषणा की थी, जो इसके रणनीतिक महत्व को रेखांकित करता है। मंत्री ने कहा, देश के उत्तरी हिस्सों के लोगों को नीली अर्थव्यवस्था दिखाई नहीं देती होगी, लेकिन यह राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में बहुत अधिक योगदान करता है।

परेड

नई दिल्ली में शनिवार को सीआरपीएफ की डेयरडेविल्स टीम ने रिपब्लिक डे परेड की रिहर्सल के दौरान 'लोटस' फॉर्मेशन में स्टंट किए।

महाराष्ट्र के नागपुर से छांगुर बाबा का प्रमुख सहयोगी गिरफ्तार

नागपुर/भाषा। नागपुर में स्थानीय पुलिस तथा महाराष्ट्र एवं उत्तर प्रदेश के आतंक रोधी दस्तों (एटीएस) के संयुक्त अभियान में शनिवार तड़के स्वयंभू उपदेशक छांगुर बाबा के एक प्रमुख सहयोगी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।लखनऊ में भारतीय न्याय संहिता और उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम के तहत दर्ज एक मामले में उत्तर प्रदेश की एटीएस छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन उर्फ करीमुल्ला शाह और उसके सहयोगियों की जांच कर रही है। वहीं, प्रवर्तन निदेशालय उनकी गतिविधियों से जुड़े धन शोधन की जांच कर रहा है।अधिकारी ने बताया कि छांगुर बाबा के सहयोगी इधु इस्लाम को पाचपावली पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आशी नगर से सुबह पांच बजे गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि बाबा के नेटवर्क के धन और अन्य साजो सामान के प्रबंधन में इस्लाम की महत्वपूर्ण भूमिका है।पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, इस्लाम उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए गंभीर मामलों में वांछित था और उसके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी था। संभावित कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए आशी नगर की एक संकरी गली में बेहद सावधानी से यह अभियान चलाया गया और बिना किसी प्रतिरोध के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।उत्तर प्रदेश के एटीएस के एक अधिकारी ने बताया कि वह पिछले कुछ वर्षों से गिरफ्तारी से बचता आ रहा था और आज उसे विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर उसे पकड़ा गया।

उद्योग जगत के दिग्गजों ने 'स्टरलाइट हरित ताम्र संयंत्र' पर अदालत के फैसले का स्वागत किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। उद्योग जगत की प्रमुख हस्तियों ने तमिलनाडु के तूतीकोरिन में प्रस्तावित हरित तांबा संयंत्र के लिए वेदांता को औपचारिक आवेदन करने की अनुमति देने संबंधी मद्रास उच्च न्यायालय के हालिया फैसले का स्वागत किया। उनका कहना है कि इससे स्वच्छ उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, क्षेत्रीय आर्थिक पुनरुद्धार में मदद मिलेगी और तांबा क्षेत्र में भारत की महत्वाकांक्षाओं को साकार करने में सहायता मिलेगी।

मद्रास उच्च न्यायालय ने हाल ही में वेदांता की स्टरलाइट की तांबा इकाई को अपने 'हरित तांबा संयंत्र' के प्रस्ताव के संबंध में सक्षम अधिकारियों के समक्ष एक नया आवेदन दाखिल करने की अनुमति दी। मुख्य न्यायाधीश मनिंद्र मोहन श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति जी. अरुल मुरुगन की प्रथम पीठ ने याचिका को वर्ष 2019 की याचिका के साथ 29 जनवरी 2026 को सूचीबद्ध करने का निर्देश देते हुए कहा, इस याचिका के लंबित रहने से याचिकाकर्ता को सक्षम अधिकारियों के समक्ष नया आवेदन दाखिल करने में कोई बाधा नहीं आएगी और अधिकारी इस पर निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र होंगे। अदालत के निर्देश का स्वागत करते हुए फाइनर्जी ट्रांसपोर्ट फाइनेंस लिमिटेड के सीओओ श्रीकांत राजगोपालन ने यहां एक विज्ञप्ति में कहा, ''स्वच्छ तांबा उत्पादन की दिशा में उठाया गया कदम एक संयंत्र तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी परिणाम होंगे। इससे घरेलू आपूर्ति की मजबूती बढ़ेगी और दीर्घकालिक औद्योगिक विकास को समर्थन मिलेगा।''

तमिलनाडु : एमजीआर की जयंती पर पलानीस्वामी ने चुनावी वादे किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु की मुख्य विपक्षी ऑल इंडिया अन्ना द्रमुक मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पाडी के पलानीस्वामी ने राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए आक्रमक रुख और तैयारियों का संकेत करते हुए शनिवार को पांच प्रमुख वादे किए।

तमिलनाडु में इसी साल चुनाव होने हैं। उन्होंने प्रसिद्ध अभिनेता और पूर्व मुख्यमंत्री एम जी रामचंद्रन की 109वीं जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और रॉयपेट्टा स्थित अन्नाद्रमुक मुख्यालय में पार्टी सदस्यों को मिठाई वितरित की। इस अवसर पर पलानीस्वामी ने कहा, ''मैं 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले अन्नाद्रमुक की ओर से वादे कर रहा हूं। अन्नाद्रमुक हमेशा जनता के कल्याण के लिए प्रयासरत रही है, क्योंकि वह उन्हीं में से एक है। मैं महिलाओं के कल्याण के लिए 'कुला विलाक्कु थिट्टम' योजना लाने की वादा करता हूं।'' इसके तहत सभी राशन कार्डधारक परिवारों को प्रति माह 2,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह राशि सीधे परिवार की महिला मुखिया के बैंक खातों में जमा की जाएगी। पलानीस्वामी ने नगरीय बसों में पुरुषों को भी मुफ्त यात्रा की सुविधा देने का वादा किया। साथ ही महिलाओं के लिए मौजूदा बस यात्रा योजना (द्रमुक सरकार द्वारा शुरू की गई) को भी जारी रखने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी की सरकार बनने पर ग्रामीण क्षेत्रों में बेघर परिवारों के लिए अम्मा आवास योजना के तहत पक्के मकान, शहरी क्षेत्रों में बेघर लोगों के लिए बहुमंजिला अपार्टमेंट और अनुसूचित जाति समुदाय के लिए पक्के आवास बनाए जाएंगे। पलानीस्वामी ने संवाददाताओं से कहा कि पार्टी की चुनाव घोषणापत्र समिति के सदस्य जनता की राय जानने के लिए जिलों का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''जल्द ही और भी कई घोषणाएं की जाएंगी।''

तिरुवनंतपुरम में पर्यटक बस पलटी, 17 लोग घायल

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल में तिरुवनंतपुरम के निकट एक पर्यटक बस के शनिवार को पलट जाने से छात्रों सहित कम से कम 17 लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, घायलों में त्रिशूर जिले के कोडकारा के एक कॉलेज के शिक्षक और छात्र शामिल हैं जो औद्योगिक भ्रमण के तहत विझिंजम बंदरगाह जा रहे थे।

पुलिस ने बताया कि हादसा तड़के करीब साढ़े तीन बजे उस समय हुआ, जब एथुक्कड़ में राष्ट्रीय राजमार्ग की सर्विस रोड पर चल रही बस का नियंत्रण बिगड़ गया और वह एक मकान से टकराकर पलट गई। उसने बताया कि मकान को मामूली नुकसान हुआ और उसमें रहने वाला परिवार सुरक्षित है। बस में छात्रों, शिक्षकों और बस कर्मियों सहित करीब 42 लोग सवार थे।

पुलिस ने बताया कि स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और उन्होंने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने में मदद की। घायलों को परिपल्ली के एक अस्पताल में पहुंचाया गया।

उसने बताया कि घायलों में से एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है और बाद में उसे कोल्लम के एक अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

अधिकारियों ने बताया कि जांच के तहत बस के सीसीटीवी फुटेज की भी जांच की जाएगी।

तमिलनाडु के अलंगनल्लूर में जल्लीकट्टू प्रतियोगिता में सांडों ने मारी बाजी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के अलंगनल्लूर में परंपरागत जल्लीकट्टू प्रतियोगिता में शनिवार को उग्र सांडों ने अपनी ताकत का प्रदर्शन करके उन्हें काबू में करने के लिए मैदान में उतरे लोगों को स्तब्ध कर दिया।

इस प्रतियोगिता को देखने आए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने जल्लीकट्टू प्रतियोगिता में सबसे अधिक बैलों को काबू करने वाले व्यक्ति को पशुपालन विभाग में सरकारी नौकरी देने की घोषणा की।

उनकी घोषणा इस बात का संकेत है कि यह प्रयास जल्लीकट्टू को संरक्षण देने में काफी मददगार साबित हो सकता है।

उन्होंने यह भी कहा कि अलंगनल्लूर में दो करोड़ रुपए की लागत से एक अत्याधुनिक जल्लीकट्टू प्रशिक्षण और उपचार केंद्र स्थापित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''मदुरै की धरती वीरता के लिए जानी जाती है। विश्व प्रसिद्ध जल्लीकट्टू को देखकर हम भी वीर बन जाते हैं। यहां के बलवान बैल तमिलनाडु का गौरव हैं।''

मुख्यमंत्री स्टालिन ने ताकत का प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों और उन बैल मालिकों को सोने की अंगूठियां दीं, जिनके जानवरों ने अपनी उग्रता से प्रतिभागियों को चुनौती दी।

प्रतियोगिता के दौरान कम से कम 14 लोग घायल हो गए, जिनमें से चार को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इससे पहले, यहां हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री का स्वागत करने के लिए जमा हुई भीड़ में एक बैल बेकाबू होकर भागने लगा, जिससे अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, उसके मालिकों ने उसे रस्सी से बांधकर वहां से हटा दिया।

प्रतियोगिता में जैसे ही सांडों ने अपना सिर हिलाया और मजबूती से खड़े रहे तो ज्यादातर युवा उन्हें काबू में करने के लिए उनके चारों ओर चक्कर लगाने लगे लेकिन वे अपने मकसद में कामयाब नहीं हुए, जिसके परिणामस्वरूप अंततः सांडों को विजेता घोषित कर दिया गया।

अन्नाद्रमुक के पूर्व राज्य मंत्री सी विजयभास्कर का सांड और अभिनेता सूरी का सांड उन सांडों में शामिल थे जिन्हें रोकना असंभव था। इन दोनों सांडों ने अपने-अपने मालिकों के लिए एक-एक सोने का सिक्का अर्जित किया।

अलंगनल्लूर में पोंगल 2026 से जुड़े अंतिम आयोजन में सांडों को थामने वाले 465 लोग भाग ले रहे हैं, जहां लगभग 825 सांडों को 'वादी वासल' (प्रवेश द्वार) से अखाड़े में छोड़ा जाएगा।

राज्य के वाणिज्यिक कर और पंजीकरण मंत्री पी. मूर्ति ने मदुरै के जिलाधिकारी प्रवीण कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में इस प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

केरल के शैक्षणिक एआई मंच को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। राज्य के सामान्य शिक्षा विभाग की प्रौद्योगिकी शाखा 'केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड टेक्नोलॉजी फॉर एजुकेशन' (केआईटीई) के 'समग्र प्लस' कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मंच को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया है।

एक आधिकारिक बयान में शनिवार को कहा गया कि केआईटीई के एआई मंच को शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित छठी 'गवर्नेंस नाउ डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन समिट' में सम्मानित किया गया। बयान में कहा गया कि यह पुरस्कार 'ई-लर्निंग, मूल्यांकन और डिजिटल शिक्षा मंच में उत्कृष्टता' श्रेणी में दिया गया। केआईटीई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के. अनवर सदाथ ने बताया कि 'समग्र प्लस' एक नवोन्मेषी एआई-संचालित मंच है, जिसे प्रत्येक छात्र को उसकी व्यक्तिगत क्षमता के अनुसार सीखने में मदद करने के लिए बनाया गया है।

केंद्र सरकार मुसलमानों के साथ दोयम दर्जे के नागरिक की तरह बर्ताव कर रही है : विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा शासित केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि नागरिकता अधिनियम और नए वक्फ अधिनियम जैसे उसके विभिन्न कानून और नीतियां मुसलमानों को दोयम दर्जे के नागरिक के रूप में मानती हैं और उन्हें मुख्यधारा से अलग करती हैं।

विजयन ने केरल मुस्लिम जमात द्वारा आयोजित 'केरल यात्रा' के समापन सत्र को संबोधित करते हुए ये आरोप लगाए। यह यात्रा एक जनवरी को कासरगोड से शुरू हुई और राज्य भर में घूमते हुए तिरुवनंतपुरम में समाप्त हुई।

मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को अपने भाषण में कहा कि देश में ''धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्य खतरे में हैं क्योंकि मुस्लिम और ईसाई जैसे अल्पसंख्यक समुदायों और उनके पूजा स्थलों पर देश भर में हमले'' हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में अल्पसंख्यक सांप्रदायिकता से बहुसंख्यक सांप्रदायिकता का मुकाबला नहीं किया जा सकता क्योंकि दोनों ताकतें एक-दूसरे की पूरक हैं। उन्होंने पुथारिकंदम मैदान में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''इसके बजाय, धर्मनिरपेक्षता को मजबूत करके ही इनका मुकाबला किया जा सकता है।'' विजयन ने कहा कि सांप्रदायिकता के किसी भी रूप के प्रति ''नरम रुख'' या ''तुष्टीकरण की रणनीति'' अपनाना ''खतरनाक'' है।

इस कार्यक्रम में राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन भी उपस्थित रहे।

केरल के अट्टाप्पडी में भूमि स्वामित्व दस्तावेज नहीं मिल पाने से परेशान किसान ने आत्महत्या की

पलक्कड (केरल)/भाषा। उत्तरी केरल के पलक्कड़ जिले के अट्टाप्पडी में कथित तौर पर भूमि स्वामित्व दस्तावेज नहीं मिलने से मानसिक रूप से परेशान एक किसान ने शनिवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि यहां मन्नारकाड में पुंचाकोड के निवासी गोपालकृष्णन ने कथित तौर पर तड़के करीबी रिश्तेदारों को बताया कि वह आत्महत्या करने वाला है और इसके बाद उसने जहर खा लिया। पुलिस ने गोपालकृष्णन के रिश्तेदारों का हवाला देते हुए कहा कि मृतक किसान मानसिक तनाव में था क्योंकि उसे अपनी जमीन के लिए स्वामित्व दस्तावेज नहीं मिला था। पुलिस के अनुसार इस दस्तावेज के न होने के कारण वह इलाज के लिए पैसा जुटाने के लिए अपनी जमीन नहीं बेच पा रहा था। पुलिस ने बताया कि दस्तावेज न मिलने के कारण उसे स्वास्थ्य देखभाल के लिए आवश्यक पैसे नहीं मिल पा रहे थे, जो उसकी निराशा का कारण बने और अंततः उसने यह दुखद कदम उठाया। पुलिस ने कहा कि बार-बार प्रयासों के बावजूद, उसे पुलियारा में स्थित अपनी नौ एकड़ जमीन के लिए स्वामित्व दस्तावेज नहीं मिला था। इस घटना के बाद मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है।

केरल के पलक्कड़ में जाल में फंसा तेंदुआ

पलक्कड़ (केरल)/भाषा। केरल के नेनमारा में इंसानी बस्ती में घुस आये एक तेंदुए को शनिवार को जाल बिछाकर पकड़ लिया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एक वीडियो सोशल मीडिया मंच पर काफी प्रसारित हो रहा है, जिसमें तेंदुआ एक रॉटवीलर कुत्ते पर हमला करता दिखाई दे रहा है, जिसके बाद कुत्ते ने पलटवार किया और तेंदुए को भगा दिया। यह घटना पिछले महीने 'पोथुंडी फॉरेस्ट स्टेशन' की सीमा के पास विथनास्सेरी में दर्ज की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले भी तेंदुए ने इलाके के कुछ घरों में दूसरे कुत्तों पर हमला किया था। उन्होंने बताया कि बार-बार हो रही घटनाओं के बाद वन विभाग ने एक सुनसान जगह पर जाल बिछाया था। ग्रामीणों ने शनिवार सुबह तेंदुए को जाल में फंसा हुआ देखा और वन अधिकारियों को इसकी सूचना दी। बाद में वन अधिकारी मौके पर पहुंचे और तेंदुए को 'पोथुंडी फॉरेस्ट स्टेशन' ले गए। अधिकारियों ने बताया कि तेंदुए को दूसरे जंगल क्षेत्र में छोड़ने का फैसला करने से पहले उसकी सेहत की जांच की जाएगी।

केरल के मलप्पुरम में सड़क हादसे में छात्रा की मौत

मलप्पुरम (केरल)/भाषा। केरल के मलप्पुरम जिले में शबरिमाला यात्रियों को लेकर जा रही कर्नाटक की एक बस से स्कूटी का हैंडल टकराने पर स्कूटी सवार एक छात्रा की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, लड़की और उसका दोस्त कोझिकोड से त्रिशूर जा रहे थे और एक फ्लाइओवर को पार करते समय उनके स्कूटी का हैंडल उस बस से टकरा गया, जो उसी दिशा में जा रही थी। पुलिस ने बताया कि इस टक्कर के कारण छात्रा का संतुलन बिगड़ गया और वह गिरकर बस के पहियों के नीचे आ गई। पुलिस ने बताया कि स्कूटी पर पीछे बैठा व्यक्ति दूसरी ओर गिरा और बच गया। कुट्टिपुरम थाने के एक अधिकारी ने कहा कि बस चालक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 281 (सार्वजनिक मार्ग पर लापरवाही से वाहन चलाना) और धारा 106 (लापरवाही से मौत का कारण बनना) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

केरल में बुजुर्ग महिला की हत्या के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कासरगोड (केरल)/भाषा। केरल के कासरगोड जिले में बुजुर्ग महिला की सोने की चेन चुराने के लिए उसकी हत्या के आरोप में 47 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परडाला निवासी आरोपी रमेश नाइक को बडियाडका पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बताया कि 14 जनवरी को पुष्पलता वी शेट्टी (72) कुम्बाडजे स्थित अपने घर में मृत पाई गई थीं। वह वहां अकेली रहती थीं। महिला के पति का निधन हो चुका था और उनकी कोई संतान नहीं थी। पुलिस ने बताया कि शव के पोस्टमार्टम के बाद महिला की हत्या की पुष्टि हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया कि शेट्टी की गला दबाकर हत्या की गई थी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने स्थानीय निवासियों के बयान दर्ज किए। निवासियों ने बताया कि घटना के समय नाइक को उसी इलाके में देखा गया था। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, मजदूर के रूप में काम करने वाले नाइक ने शुरुआत में अपनी संलिप्तता से इनकार किया था। हालांकि, जांचकर्ताओं ने उसके शरीर पर खरोंच के निशान देखे और उसकी दाईं हथेली पर दांत से काटने के घाव भी पाए गए। पुलिस ने बताया कि जब इन खरोंचों और घावों के बारे में विस्तार से पूछताछ की गई तो आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस के अनुसार, मकान बनाने के लिए कर्ज लेने के बाद से नाइक भारी वित्तीय दबाव में था और इसी वजह से उसने शेट्टी से सोना चुराने की कथित तौर पर साजिश रची। नाइक शेट्टी के घर पहुंचा और उनकी सोने की चेन छीनने की कोशिश की। जब महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी।

त्रिशूर-गुरुवायूर मार्ग पर नई ट्रेन को मंजूरी मिली: भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष

तिरुवनंतपुरम/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने शनिवार को बताया कि केंद्र सरकार ने त्रिशूर-गुरुवायूर मार्ग पर एक नई ट्रेन सेवा को मंजूरी दे दी है, जिसकी उन्होंने पिछले वर्ष मांग की थी।

चंद्रशेखर ने सोशल मीडिया मंचों 'एक्स' और फेसबुक पर एक 'पोस्ट' साझा कर नई ट्रेन सेवा को मंजूरी देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस नई सेवा से हजारों दैनिक यात्रियों और गुरुवायूर मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को लाभ होगा। उन्होंने कहा, ''मोदी सरकार ने एक बार फिर ऐसा व्यावहारिक समाधान दिया है जो केरल में रोजमर्रा की जिंदगी को सीधे बेहतर बनाता है।''चंद्रशेखर ने कहा, ''यही प्रदर्शन की राजनीति है। केवल भाजपा/राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ही सभी मलयालियों का विकास कर सकते हैं।''

केरल के वायनाड में नाबालिग लड़की पर तेजाब फेंका, आरोपी गिरफ्तार

वायनाड (केरल)/भाषा। केरल के वायनाड जिले में 14 वर्षीय एक लड़की पर उसके पड़ोसी ने कथित तौर पर तेजाब फेंक दिया जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पुलपल्ली में माराकावु के प्रियदर्शी उनाथी के रहने वाले आरोपी राजू जोस (53) को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, जोस ने पड़ोस में रहने वाली आठवीं कक्षा की छात्रा महालक्ष्मी पर शुक्रवार शाम कथित तौर पर तेजाब फेंक दिया। उसने बताया कि पड़ोसियों में कई बातों को लेकर विवाद थे जिसके कारण जोस ने लड़की पर तेजाब फेंका। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने लड़की से हाल में उसकी 'स्टूडेंट पुलिस कैडेट' (एसपीसी) की वर्दी मांगी थी जिसे देने से उसने इनकार कर दिया था। उसने बताया कि पीड़िता को पहले नजदीकी सरकारी अस्पताल ले जाया गया और बाद में बेहतर इलाज के लिए कोझिकोड मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया।

एलडीएफ सरकार केंद्रीय योजनाओं से कन्नी काटकर केरल को कर्ज के जाल की ओर बढ़ा रही है : कुरियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोट्टयम (केरल)/भाषा। केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने शनिवार को आरोप लगाया कि केरल कर्ज के एक खतरनाक जाल की ओर बढ़ रहा है, लेकिन राज्य सरकार केंद्रीय योजनाओं से कन्नी काट रही है तथा अपनी आर्थिक स्थिति को संभालने के लिए कर्ज पर निर्भर है। कुरियन ने यहां पत्रकारों से कहा कि जब वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार सत्ता में आई थी, तब राज्य का कर्ज लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपए था, जो पिछले 10 वर्षों में यह 230 प्रतिशत बढ़कर लगभग पांच लाख करोड़ रुपए हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश जैसे राज्य केंद्र सरकार की योजनाओं का कुशलतापूर्वक उपयोग कर रहे हैं एवं केंद्रीय निधि प्राप्त कर रहे हैं, वहीं केरल सरकार का रुख यह है कि उसे केंद्रीय योजनाओं की आवश्यकता नहीं है और केवल उधार लेना ही पर्याप्त है।

कुरियन ने कहा कि सर्वांगीण राष्ट्रीय विकास के प्रति नरेन्द्र मोदी सरकार की प्रतिबद्धता प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना में परिलक्षित होती है, जो रोजगार से जुड़ी एक प्रोत्साहन योजना है तथा उसका उद्देश्य युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देना और आर्थिक विकास को गति देना है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की परिकल्पना के तहत केंद्र सरकार की पहलों से रोजगार गारंटी कार्यक्रमों के विस्तार समेत समाज के बुनियादी वर्गों को मजबूती मिली है। मंत्री ने कहा कि 2013 तक, इस योजना के तहत केवल 36 दिनों का काम 162 रुपए की दैनिक मजदूरी के साथ उपलब्ध होता था, जबकि मोदी सरकार के तहत कार्यदिवसों की संख्या बढ़ाकर 125 कर दी गई है और दैनिक मजदूरी बढ़ाकर 369 रुपए की गई है।

'सबका साथ-सबका विकास' की भावना से गांवों को सशक्त कर रही है सरकार : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कहा राज्य सरकार 'सबका साथ-सबका विकास' की भावना से गांवों को सशक्त कर रही है। मुख्यमंत्री ने यहां ग्राम पंचायतों के प्रशासकों (निवर्तमान सरपंचों) के साथ संवाद किया। शर्मा ने कहा कि सरपंच गांव की आवाज और ग्राम पंचायत शासन की पहली सीढ़ी है। पंचायतों के सशक्त होने से ही प्रदेश मजबूत होगा क्योंकि विकास का पथ गांवों से होकर ही गुजरता है। उन्होंने कहा कि इसी उद्देश्य के साथ राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मूल मंत्र - 'सबका साथ, सबका विकास' को साकार करते हुए गांवों का सशक्तिकरण कर रही है।

आधिकारिक बयान के अनुसार उन्होंने कहा कि सरपंच कोई पद नहीं, बल्कि सेवा और संकल्प का माध्यम है। सरपंच वह पहला व्यक्ति होता है, जिसके पास गांव का हर नागरिक उम्मीद लेकर आता है। किसान सम्मान निधि, पेंशन, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), पेयजल, बिजली, आवास, शौचालय निर्माण, सड़क, स्कूल, आंगनबाड़ी या स्वास्थ्य केंद्र जैसी जरूरतों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ के लिए गांव सर्वप्रथम सरपंच की ओर ही देखता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के जनहितैषी निर्णयों और योजनाओं का लाभ किस स्तर तक पहुंच रहा है, यह सरपंच ही बेहतर तरीके से जानता है। इस स्थिति में उनका 'फीडबैक' बेहद महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी और जवाबदेह पंचायती राज व्यवस्था स्थापित करने के लिए ग्राम पंचायतों को मजबूत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमने नवगठित आठ जिलों में नयी जिला परिषदों का गठन किया है। इसी प्रकार, पंचायती राज संस्थाओं के पुनर्गठन एवं नवसृजन के तहत 85 नयी पंचायत समितियां एवं 3417 नयी ग्राम पंचायतें बनायी गयी हैं। हमने ग्राम पंचायतों का कार्यकाल पूरा होने पर भी प्रशासक के तौर पर सरपंचों को नियुक्त किया ताकि उनके अनुभव का ज्यादा से ज्यादा लाभ हमारे गांवों को मिल सके।

सड़क हादसे में चार लोगों की मौत, छह अन्य घायल

जयपुर। उदयपुर में पुराने अहमदाबाद हाईवे पर दो कारों की भीषण टक्कर में चार युवकों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह हादसा शनिवार तड़के सवीना थानाक्षेत्र में नेला तालाब के पास हुआ। चारों मृतक उदयपुर के रहने वाले थे। सवीना के थानाधिकारी अजयराज सिंह ने बताया कि मृतकों की पहचान सवीना के मुर्शिद नगर निवासी मोहम्मद अयान (17), बरकत कॉलोनी निवासी आदिल कुरैशी (14), मल्लातलाई निवासी शेर मोहम्मद (19) और सवीना निवासी गुलाम ख्वाजा (17) के रूप में हुई है।

उन्होंने बताया कि छह दोस्त 'महफिल-ए-मिलाद' कार्यक्रम में शामिल होने के बाद कार से चाय पीने के लिए हाईवे की ओर जा रहे थे तभी उनकी गाड़ी को दूसरी कार ने टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि गुजरात नंबर वाली दूसरी कार चूरू जिले के राजगढ़ से गुजरात के वापी की ओर जा रही थी। अधिकारी ने बताया कि उसमें सवार चार लोगों को चोटें आईं और उनका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। दूसरी कार में युवकों के दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए।

जलरंगों में साकार होती संवेदनाएं कल्पना से परे : दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कला जगत में शनिवार (17 जनवरी) का दिन बेहद खास रहा जब प्रदेश की उपमुख्यमंत्री तथा पर्यटन, कला एवं संस्कृति मंत्री दिया कुमारी ने जवाहर कला केंद्र की अलंकार आर्ट गैलरी में सुप्रसिद्ध जलरंग कलाकार डॉ. सुषमा महाजन के कला चित्रों से सुसज्जित तीन दिवसीय मेलोडी ऑफ़ कलर्स एकल प्रदर्शनी का भव्य उद्घाटन किया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने यहां प्रदर्शित डॉ. सुषमा महाजन की 60 जलरंग कृतियों को निहारने और उनका बारीकी से अवलोकन करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि डॉ. सुषमा महाजन द्वारा तैयार ये कला कृतियां निश्चित ही उत्कृष्ट हैं, अद्भुत है। उन्होंने कहा कि ये जलरंगों में साकार होती संवेदनाएं कल्पना से परे हैं

उपमुख्यमंत्री दिया ने उत्कृष्ट कला कृतियों से अत्यंत प्रभावित भाव से कहा डॉ. सुषमा द्वारा ये जल रंग कृतियां बहुत बारीकी से ऊकेरी गई हैं, जिनमें वाइब्रेन्ट रंग और उनकी कलात्मकता मानवीय संवेदनाओं का प्रतिनिधित्व कर रहें हैं। दिया कुमारी ने कहा कि डॉ. सुषमा महाजन वास्तव में जल रंग कला कृतियों की सिद्धस्त कलाकार हैं, वे इस वाटर कलर आर्ट की मास्टर हैं। जल रंग में महारथ रखने वाली डॉ सुषमा की यह कला देश-प्रदेश और समूचे सृजन जगत में नायाब है, जो देश और दुनिया में राजस्थान की कला संस्कृति के परचम को फहरा रही है। उल्लेखनीय है कि इस तीन दिवसीय प्रदर्शनी का अवलोकन 19 जनवरी तक कला प्रेमी प्रतिदिन प्रातः 11:00 बजे से सायं 7:30 बजे तक कर सकेंगे। इस प्रदर्शनी में लगभग 60 जलरंग कृतियां प्रदर्शित की गईं हैं। इनमें 22 नई कृतियां विशेष रूप से इस प्रदर्शनी के लिए तैयार की गई हैं। साथ ही, पेरिस, जयपुर और नई दिल्ली में पूर्व में प्रदर्शित चुनिंदा कृतियों को भी इसमें सम्मिलित किया गया।

सहकारी समितियों को आर्थिक सशक्त एवं लाभांश देने लायक बनाने की आवश्यकता : गौतम दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि निरीक्षक सहकारिता विभाग की रीढ़ हैं, वे अपनी भूमिका को और विस्तार देते हुए सहकारी समितियों के संरक्षक और मार्गदर्शक बनें। उन्होंने कहा कि हम सभी को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए सहकारी समितियों को वर्तमान समय के अनुरूप सशक्त, सक्षम एवं प्रतिस्पर्धी बनाना होगा। दक शनिवार को जयपुर स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में एसोसिएशन ऑफ राजस्थान को-ऑपरेटिव सबोर्डिनेट सर्विसेज (-ठउउड) द्वारा आयोजित 'सहकार संगम-2026' कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मानना है कि विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में सहकारिता क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। विशेष रूप से रोजगार सृजन में सहकारिता क्षेत्र बड़ी भूमिका निभा सकता है।

माननीय प्रधानमंत्री की इस मंशा को साकार करने के लिए हम सभी को अपनी जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा से निर्वहन करना होगा।

सहकारिता मंत्री ने कहा कि आर्थिक युग का प्रभाव विगत वर्षों में सहकारी संस्थाओं पर पड़ा, जिससे वे आर्थिक रूप से कमजोर हो गई। लेकिन अब माननीय प्रधानमंत्री माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की संकल्पना के अनुरूप एवं केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में देश में 'सहकार से समृद्धि' कार्यक्रम क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत लगभग 120 पहलों के माध्यम से सहकारी क्षेत्र को सशक्त बनाया जा रहा है। सरकार सहकारी क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए हर संभव सहयोग कर रही है। सहकारी समितियों के माध्यम से अब पेट्रोल पम्प तक का संचालन किया जा सकता है। राज्य में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहकारी सेक्टर को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं। ऐसे में हम सबकी भी जिम्मेदारी बनती है कि हम सहकारी समितियों को आर्थिक सशक्त और लाभांश देने लायक बनाएं। दक ने कहा कि सहकारी समितियों में अनियमितताओं की रोकथाम के लिए सहकारी निरीक्षक निरन्तर सजग रहते हुए प्रभावी मॉनिटरिंग करें। कार्यक्रम में एसोसिएशन ऑफ राजस्थान को-ऑपरेटिव सबोर्डिनेट सर्विसेज की प्रदेशाध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा चौधरी ने कहा कि राज्य में 600 से अधिक सहकारी निरीक्षक अपनी जिम्मेदारी का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए सरकार की मंशा के अनुरूप सहकारिता को जन-जन तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सहकार संगम कार्यक्रम इस वृहद परिवार के लिए संवाद का एक मंच है, जिसके माध्यम से वे अपनी आपसी समझ को बढ़ाते हुए और एक-दूसरे के अनुभवों से सीख लेकर आगे बढ़ेंगे।

प्रारम्भ में सहकारिता मंत्री ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत रूप से शुभारम्भ किया। उन्होंने राजकीय सेवा से इतर सामाजिक सरोकार निभाने वाले निरीक्षकों को सहकार रत्न पुरस्कार प्रदान किए। साथ ही, संगठन की त्रैमासिक पत्रिका सहकार स्तंभ के कवर पेज का विमोचन किया। कार्यक्रम में अधिकारियों-निरीक्षकों एवं उनके परिवारजनों द्वारा आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। इस दौरान बॉलीवुड सिंगर रवीन्द्र उपाध्याय ने भी अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधा। सहकारिता विभाग के उच्च अधिकारीगण, सहकार भारती के पदाधिकारी एवं प्रदेश भर से आए सहकारी अधिकारी व निरीक्षक कार्यक्रम में मौजूद रहे।

'लोकतंत्र पर हमला': गहलोत ने अलवर की मसौदा मतदाता सूची में 1,300 फर्जी आपत्तियों का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने अलवर जिले के रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची की पुनरीक्षण प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक चुनाव एजेंट ने एक ही दिन में 1,383 फर्जी आपत्तियां दर्ज कीं। उन्होंने प्रशासन और निर्वाचन आयोग पर लोकतंत्र पर गंभीर हमले को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। गहलोत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट साझा कर दावा किया कि रामगढ़ में भाजपा के एक बूथ-स्तरीय एजेंट (बीएलए) के नाम पर एक ही दिन में 1,383 फर्जी आपत्तियां दर्ज की गईं। उन्होने आरोप लगाया कि बीएलए ने उसके

नाम से किए गए हस्ताक्षरों से बाद में इनकार कर दिया।

गहलोत ने कहा, राजस्थान में लोकतंत्र का चीरहरण किस स्तर पर हो रहा है। रामगढ़ का यह प्रकरण इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है। गहलोत ने कहा, अब यह स्पष्ट है कि यह केवल 'वोट चोरी' नहीं, बल्कि कूटरचित दस्तावेज के जरिए जनादेश पर डकैती डालने का सुनियोजित षड्यंत्र है।

उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में भाजपा ने इस तरह का प्रयास किया लेकिन उसका भंडाफोड़ हो गया। उन्होंने कहा, प्रशासन और निर्वाचन आयोग की भूमिका पर यह गंभीर प्रश्नचिह्न है। राज्य के मुख्य निर्वाचन आयुक्त नवीन महाजन की यह जिम्मेदारी है कि वह सुनिश्चित करें कि इस तरह का गैर कानूनी कार्य न हों। गहलोत ने राज्य के मुख्य निर्वाचन आयुक्त से मांग की है कि इस जालसाजी में शामिल लोगों और मूकदर्शक बने अधिकारियों के खिलाफ तुरंत आपराधिक मामला दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (उप-मंडल अधिकारी) से अपील की कि वे किसी दबाव में आए बिना प्रक्रिया की शुचिता बनाए रखें और निष्पक्षता से काम करें। गहलोत ने कहा कि जनता सब देख रही है और लोकतंत्र की हत्या बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

प्री बजट बैठक : लोगों की जरूरत और क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने वाली परियोजनाओं को प्राथमिकता दें : उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि सड़क, पुल तथा भवन आदि के जो प्रस्ताव आगामी बजट के लिए तैयार किए जा रहे हैं, उनमें संबंधित अधिकारी लोगों की जरूरत और क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दें। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में शनिवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग मुख्यालय में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी बजट को ध्यान में रखते हुए विभागीय तैयारियों एवं प्रस्तावित कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बजट से पूर्व सभी प्रस्तावों पर गहन समीक्षा एवं आवश्यक अभ्यास करें। उन्होंने कहा कि आमजन के लिए अत्यंत आवश्यक तथा संबंधित क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों को पूरा करने वाली सड़क परियोजनाओं को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि आगामी बजट के लिए सड़कों, पुलों एवं भवनों से जुड़े कार्यों का चयन जनहित, क्षेत्रीय आवश्यकता, यातायात सुविधा एवं सुरक्षा तथा दीर्घकालीन उपयोगिता को ध्यान में रखकर किया जाए। उन्होंने ऐसे प्रस्ताव तैयार करने पर जोर दिया जो विकसित राजस्थान डॉक्यूमेंट के अनुरूप हो, ताकि विकसित राजस्थान के लक्ष्य को जल्द से जल्द हासिल किया जा सके।

सभी प्रस्ताव तकनीकी रूप से सुदृढ़, वित्तीय रूप से व्यावहारिक एवं समयबद्ध क्रियान्वयन योग्य हों, ताकि बजट स्वीकृति के पश्चात कार्यों को शीघ्र धरातल पर उतारा जा सके। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव बनाते समय इस बात का ध्यान रखा जाये की प्रस्तावित सड़क परियोजना वन क्षेत्र,रिहायशी क्षेत्र अथवा अन्य किसी कारण से लंबित एवं बाधित न हो। उपमुख्यमंत्री ने जनता एवं क्षेत्र की जरूरतों के अनुरूप बजट घोषणाओं के लिए अधिकारियों को आगामी तीन दिन तक फील्ड विजिट के निर्देश दिए है। जिलों में पदस्थापित अधिकारी फील्ड में जाकर यह सुनिश्चत करें कि कौनसी सड़क परियोजना उस क्षेत्र के यातायात को सुगम बनाने एवं लोगों को तत्काल राहत प्रदान करने के लिए आवश्यक है।

देवनानी ने राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय प्रतिनिधियों का जयपुर पहुंचने पर किया स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रमंडल देशों की संसदों के अध्यक्षों एवं पीठासीन अधिकारियों के 28वें सम्मेलन (उज्झजउ) के बाद भ्रमण कार्यक्रम के लिए शनिवार को अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल जयपुर पहुंचा। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सभी अतिथियों का गरिमामय एवं पारंपरिक तरीके से जयपुर हवाई अड्डे पर स्वागत किया । देवनानी ने कहा कि यह राजस्थान के लिए गौरव का विषय है कि विश्व के विभिन्न देशों से आए संसदीय प्रतिनिधि हमारी समृद्ध संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत और अतिथि-सत्कार की परंपरा से रूबरू हो रहे हैं।

राजस्थान की अतिथि देवो भवः की भावना के अनुरूप अतिथियों का स्वागत किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधियों को राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक स्थलों और परंपरागत लोक कला से परिचित कराने का यह अच्छा अवसर है। राज्य की विकास यात्रा, लोकतांत्रिक परंपराओं और संसदीय मूल्यों पर भी सकारात्मक संवाद का यह अवसर है। देवनानी ने कहा कि ऐसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों से वैश्विक पहचान और सशक्त होती है तथा पर्यटन, संस्कृति व अंतरराष्ट्रीय सहयोग के नए अवसर मिलते हैं। देवनानी ने बताया कि राज्य सरकार एवं प्रशासन द्वारा प्रतिनिधियों के स्वागत एवं उनके प्रवास हेतु व्यापक और सुव्यवस्थित तैयारियाँ विभिन्न पर्यटन स्थलों पर की गई हैं, ताकि उन्हें एक यादगार और सुखद अनुभव प्राप्त हो सके। इस मौके पर सामान्य प्रशासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव नवीन जैन, राजस्थान विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, जिला कलेक्टर जितेंद्र कुमार सोनी सहित अधिकारी गण मौजूद थे।

कांस्टीट्यूशन क्लब में सांस्कृतिक कार्यक्रम और रात्रि भोज- स्पीकर देवनानी ने बताया कि शनिवार को सायं कांस्टीट्यूशन क्लब में अतिथियों के सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम और रात्रि भोज का आयोजन किया होगा।रात्रि भोज में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, राज्यपाल हरिभाउ बागडे, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, नेता प्रतिपक्ष, मंत्रिमंडल के सदस्य, मुख्य न्यायाधीश, मुख्य सचिव सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहेंगे।

आमेर महल की दिव्य एवं भव्य छटा देखकर अभिभूत हुए राष्ट्रमंडल देशों के संसदीय प्रतिनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राष्ट्रमंडल देशों के 40 देशों से आए 120 सदस्यीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल शनिवार को दो दिवसीय प्रवास पर जयपुर पहुंचा। जयपुर भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविख्यात आमेर महल का भ्रमण किया, जहां इसकी दिव्य, ऐतिहासिक और भव्य छटा ने सभी प्रतिनिधियों को अभिभूत कर दिया। आमेर महल पहुंचने पर प्रतिनिधिमंडल का पारंपरिक राजस्थानी रीति-रिवाजों से भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। लोक वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनि, पारंपरिक आतिथ्य और राजस्थानी संस्कृति की जीवंत झलक ने विदेशी मेहमानों को विशेष रूप से आकर्षित किया। इसके पश्चात उच्च प्रशिक्षित एवं अनुभवी पर्यटक गाइड द्वारा प्रतिनिधिमंडल को आमेर महल के गौरवशाली इतिहास, राजपूतकालीन स्थापत्य कला तथा सांस्कृतिक महत्व की विस्तृत जानकारी दी गई।

भ्रमण के दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, 27 कचहरी, गणेश पोल, मुगल गार्डन एवं मान सिंह महल सहित आमेर दुर्ग के प्रमुख ऐतिहासिक स्थलों का अवलोकन किया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्य विशेष रूप से शीश महल की अद्वितीय कारीगरी से अत्यंत प्रभावित नजर आए।

शीश महल से मावठा सरोवर एवं केसर क्यारी बाग का मनोरम दृश्य देखकर प्रतिनिधि मंत्रमुग्ध हो गए और राजस्थान की समृद्ध स्थापत्य एवं शिल्प परंपरा की मुक्तकंठ से सराहना की। कई प्रतिनिधियों ने आमेर महल को भारत की सांस्कृतिक विरासत का जीवंत प्रतीक बताया। उल्लेखनीय है कि यह संसदीय प्रतिनिधिमंडल 17 एवं 18 जनवरी को जयपुर प्रवास पर है। प्रतिनिधिमंडल में राष्ट्रमंडल देशों की विभिन्न विधायिकाओं के अध्यक्ष, सदस्य तथा उच्च स्तरीय संसदीय अधिकारी शामिल हैं। जयपुर आगमन पर प्रतिनिधिमंडल का स्वागत जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा किया गया। जयपुर प्रवास के दौरान प्रतिनिधिमंडल द्वारा शहर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्रशासनिक विशेषताओं से जुड़े अन्य स्थलों के भ्रमण का भी कार्यक्रम प्रस्तावित है, जिससे राजस्थान की गौरवशाली परंपरा और विकासशील दृष्टिकोण से अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि और अधिक परिचित हो सकेंगे।

मोदी ने प. बंगाल में 3,250 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मालदा (पश्चिम बंगाल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को हावड़ा एवं गुवाहाटी के बीच देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा पश्चिम बंगाल में 3,250 करोड़ रुपए से अधिक की रेल एवं सड़क परियोजनाओं की शुरुआत की।

मोदी ने यहां एक कार्यक्रम में चार अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन को डिजिटल माध्यम से हरी झंडी दिखाई, जो न्यू जलपाईगुड़ी को नागरकोइल और तिरुचिरापल्ली तथा अलीपुरद्वार को एसएमवीटी बेंगलूरु और मुंबई (पनवेल) से जोड़ेंगी। प्रधानमंत्री ने मालदा टाउन रेलवे स्टेशन से हावड़ा और गुवाहाटी (कामाख्या) के बीच देश की सबसे उन्नत और पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की पहली जोड़ी का उद्घाटन किया। उन्होंने गुवाहाटी-हावड़ा वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को भी यहीं से डिजिटल तरीके से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पूरी तरह वातानुकूलित स्लीपर ट्रेन से हावड़ा-गुवाहाटी मार्ग पर यात्रा समय लगभग 2.5 घंटे कम होने की उम्मीद है। फिलहाल ट्रेन से हावड़ा से गुवाहाटी जाने में 18 घंटे लगते हैं। मोदी ने उद्घाटन समारोह में कहा कि नई परियोजनाएं, विशेष रूप से नई ट्रेन क्षेत्र के युवाओं को सशक्त बनाएंगी। मोदी ने कहा, एक समय था जब हम दूसरे देशों में विकास देखते थे और हमारा सपना होता था कि काश हमारे देश में भी ऐसी आधुनिक ट्रेन चलें। आज वह सपना साकार हो गया। उन्होंने कहा, नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने मां काली की पावन भूमि को और मां कामाख्या की पवित्र धरती से जोड़ दिया है। मोदी ने कहा कि भारत ने अपनी परिवहन सुविधाओं

को आधुनिक बनाया है तथा भारत को आत्मनिर्भर भी बनाया है। प्रधानमंत्री ने दावा किया कि आज भारत अमेरिका और यूरोप से अधिक डिब्बों का निर्माण कर रहा है। मोदी ने कहा, ''आधुनिक भारत की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने आज से अपनी यात्रा शुरू की है। यह नई ट्रेन देश के लोगों के लिए लंबी दूरी की यात्रा को आसान और सुगम बनाएगी।'' मालदा टाउन स्टेशन पर कुछ यात्रियों से बातचीत करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने नई वंदे भारत ट्रेन को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, ''अब मैं देख रहा हूं कि विदेशी लोग भारत में मेट्रो और अन्य ट्रेन के वीडियो बना रहे हैं ताकि वे दुनिया को बता सकें कि भारत में ट्रेन यात्रा में किस तरह क्रांति आ रही है।'' आधुनिक वंदे भारत स्लीपर ट्रेन निकट भविष्य में पूरे देश में चलेंगी और भारतीय रेलवे का पुनरुद्धार हो रहा है, जिसमें रेल लाइनों का विद्युतीकरण एवं स्टेशनों का आधुनिकीकरण शामिल है। उन्होंने कहा, ''इस समय देशभर में 150 से अधिक वंदे भारत ट्रेन चल रही हैं। इनके साथ ही आधुनिक और तेज गति वाली ट्रेन का एक नेटवर्क भी तैयार किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि शनिवार को पश्चिम बंगाल को अमृत भारत एक्सप्रेस की चार और ट्रेन मिल गईं, जिससे राज्य, विशेष रूप से उत्तरी बंगाल, पश्चिमी और दक्षिणी भारत से बेहतर ढंग से जुड़ जाएगा। उन्होंने कहा, देश के अन्य हिस्सों से बंगाल और पूर्वी भारत आने वाले, गंगासागर, दक्षिणेश्वर और कालीघाट घूमने आने वाले तथा तमिलनाडु और महाराष्ट्र जाने वाले लोगों को इन अमृत भारत ट्रेन से यात्रा में आसानी होगी। आधुनिकीकरण के साथ-साथ भारतीय रेलवे के आत्मनिर्भर बनने पर जोर देते हुए मोदी ने कहा कि भारत में बने इंजन, डिब्बे और मेट्रो ट्रेन देश की पहचान बन रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत विश्व भर के कई देशों को यात्री और मेट्रो ट्रेनों के लिए डिब्बे निर्यात करता है, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को लाभ होता है। उन्होंने कहा, ''देश को जोड़ना हमारा प्राथमिक उद्देश्य है और दूरियों को कम करना हमारा मिशन है।'' इस अवसर पर मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत जल्द ही वंदे भारत ट्रेन का निर्यात करेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, क्षेत्र के व्यंजनों के स्वाद को ध्यान में रखते हुए कोलकाता से चलने वाली वंदे भारत ट्रेन में बंगाली भोजन और गुवाहाटी से चलने वाली ट्रेन में असमिया भोजन परोसा जाएगा। पीएमओ की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि नई परियोजनाएं लंबी दूरी की सस्ती और विश्वसनीय रेल 'कनेक्टिविटी' को बढ़ावा देंगी। समारोह में मोदी ने राज्य में चार प्रमुख रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी, जिनमें बालुरघाट से हिली तक नई रेल लाइन, न्यू जलपाईगुड़ी में माल ढुलाई संबंधी आधुनिक केंद्र, सिलीगुड़ी लोको शेड का उन्नयन और जलपाईगुड़ी जिले में वंदे भारत ट्रेन रखरखाव इकाई के आधुनिकीकरण से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। बयान में कहा गया है, ये परियोजनाएं यात्री और माल ढुलाई सेवाओं को सशक्त बनाएंगी, उत्तर बंगाल में लॉजिस्टिक दक्षता को सुधारेंगी, और क्षेत्र में रोजगार के अवसर उत्पन्न करेंगी। बयान में कहा गया है, ये परियोजनाएं आधुनिक बुनियादी ढांचे के निर्माण और बेहतर कनेक्टिविटी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, जिनसे पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्रों को देश के प्रमुख विकास इंजन के रूप में मजबूत किया जाएगा।

लोकतंत्र के सशक्तीकरण के लिए मजबूत न्यायपालिका जरूरी : योगी आदित्यनाथ

चंदौली (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि लोकतंत्र के सशक्तीकरण के लिए मजबूत न्यायपालिका जरूरी है। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने चंदौली में योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में चंदौली, महोबा, अमेठी, शामली, हाथरस एवं औरैया जिलों के एकीकृत न्यायालय परिसरों का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने प्रधान न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में न्यायपालिका के एक नए पृष्ठ का सृजन हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम में कहा, ''उप्र सरकार के पास न्यायिक व्यवस्था से जुड़ा कोई भी कार्य आता है तो उसे पूरा होने में कोई देर नहीं लगती है। हमें न्यायिक सुविधाओं को और सुदृढ़ करने में कोई कोताही नहीं बरतनी चाहिए। उप्र इस दिशा में बहुत आगे बढ़ चुका है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि ये छह जिले न्यायपालिका के विस्तार के 'पायलट प्रोजेक्ट' के रूप में होंगे, जिसका उद्देश्य यह है कि न्याय हर नागरिक तक पहुंच सके। आदित्यनाथ ने कहा, ''आज धन की कमी नहीं है, इच्छा शक्ति की कमी जरूर दिखती है। आप दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ कार्य करिए सरकार का पूरा सहयोग मिलेगा।'' आधिकारियों के अनुसार, इन न्यायालय परिसरों के निर्माण में करीब 1,500 करोड़ रुपए का खर्च आने की संभावना है। चंदौली में बनने वाले अदालत परिसर की लागत करीब 236 करोड़ रुपए होगी, जिसमें 37 अदालत कक्ष, अधिवक्ताओं के चैंबर, न्यायिक अधिकारियों के आवास और जनपद न्यायाधीश का आवासीय भवन शामिल होंगे। यह परियोजना अप्रैल 2027 तक पूरी होने का अनुमान है। आदित्यनाथ ने याद किया कि, अपनी एक यात्रा के दौरान सीजेआई सूर्यकांत ने इस बात का उल्लेख किया था कि न्याय प्रत्येक नागरिक को सहजता के साथ उपलब्ध हो सके, इसके लिए आवश्यक है कि कुछ ऐसे मॉडल बनने चाहिए जो एकीकृत हो, एक छत के नीचे हो।

ममता बनर्जी ने प्रधान न्यायाधीश से संविधान, न्यायपालिका और लोकतंत्र की रक्षा करने का आग्रह किया

जलपाईगुड़ी/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत से देश के संविधान, लोकतंत्र और न्यायपालिका की रक्षा करने का शनिवार को आग्रह किया। कलकत्ता उच्च न्यायालय की जलपाईगुड़ी सर्किट बेंच के भवन के उद्घाटन कार्यक्रम में बनर्जी ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत से देश के लोगों को ''एजेंसियों'' द्वारा गलत तरीके से निशाना बनाये जाने से बचाने का भी आह्वान किया। बिना विस्तृत जानकारी दिए उन्होंने कहा, ''कृपया देश के संविधान, लोकतंत्र, न्यायपालिका, इतिहास और भूगोल को विनाश से बचाएं।'' बनर्जी ने कहा, ''आप (प्रधान न्यायाधीश) हमारे संविधान के संरक्षक हैं, हम आपके कानूनी संरक्षण में हैं। कृपया जनता की रक्षा करें।'' न्यायमूर्ति सूर्यकांत भी कार्यक्रम में मौजूद थे। बनर्जी ने कहा, ''आजकल मामलों के निपटारे से पहले ही 'मीडिया ट्रायल' का चलन है; इसे भी रोकना होगा।''

बीजद से निलंबित विधायक पार्टी को कमजोर करने की साजिश में संलिप्त थे : प्रवक्ता

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में मुख्य विपक्षी बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने क्षेत्रीय दल को कथित तौर पर कमजोर करने की साजिश में संलिप्त दो विधायकों को पार्टी से निलंबित कर दिया है। बीजद के प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। बीजद के प्रवक्ता और मीडिया समन्वयक लेनिन मोहंती ने संवाददाताओं से कहा कि पार्टी अध्यक्ष पटनायक भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वासघात करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने दावा किया कि विधायक अरविंद महापात्रा और सनातन महाकुड पार्टी को कमजोर करने की साजिश में संलिप्त थे। विधायकों को निलंबित करने की कार्रवाई का बचाव करते हुए मोहंती ने कहा, ''यह फैसला महीनों तक गहन विचार-विमर्श और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं से मिली प्रतिक्रियाओं के बाद सोच-समझकर लिया गया। दोनों विधायकों के खिलाफ कार्रवाई के लिए ठोस आधार मौजूद थे।'' उन्होंने इसे एक ''मिडडे ऑपरेशन'' करार दिया और इसकी तुलना पहले के एक असफल ''मिडनाइट ऑपरेशन'' से की। मोहंती ने आरोप लगाया कि 'मिडनाइट ऑपरेशन' 2012 में तब रचा गया था जब पटनायक लंदन के दौरे पर थे और उन्हें सत्ता से अपदस्थ करने की कोशिश की गई थी।

ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश में बदल देना चाहती हैं : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति की 1905 के 'बंग भंग' से तुलना करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एसआईआर को रोकने तथा बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों को बचाने के लिए हिंसा भड़काकर राज्य को भारत से अलग करने की कोशिश कर रही हैं।

पार्टी ने राज्य की जनता से 'जागृत होकर इसके विरुद्ध एकजुट' होने का आह्वान किया। ब्रिटिश ने 1905 में बंगाल का विभाजन करने का प्रयास किया था जिसे बंग भंग के नाम से जाना जाता है। भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने प्रेस वार्ता में कहा, ''एक हैं तो सेफ हैं।'' उन्होंने कहा कि कुछ समूहों को खुश करने के लिए अंग्रेजों ने बंगाल को विभाजित करने की कोशिश की थी। उन्होंने दावा किया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के तहत पश्चिम बंगाल में भी ऐसी ही स्थिति है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश में बदलने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''मौजूदा हालात को देखते हुए, कभी-कभी तो ऐसा लगता है मानो बंगाल भारत का एक अलग हिस्सा हो। क्या बंगाल भारत से दूर है? क्या बंगाल अब भी भारत का हिस्सा है? पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी ने जिस तरह की शासन प्रणाली स्थापित की है उसने राज्य में आज ऐसी स्थिति पैदा कर दी है जो 1905 में अंग्रेजों द्वारा बंगाल को विभाजित करने के नापाक प्रयास 'बंग भंग' के समान है। अंग्रेज भी कुछ समूहों को प्रसन्न करना चाहते थे और इसलिए उन्होंने बंगाल को दो भागों में बांटना चाहा था।'' पात्रा ने आरोप लगाया कि बनर्जी बांग्लादेशियों और रोहिंग्या घुसपैठियों को बचाने के लिए 'हिंसा के माध्यम से' पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के एसआईआर को असंवैधानिक तरीके से रोकने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा, ''मुर्शिदाबाद में इस समय हिंसा हो रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग 12 अवरुद्ध है और सभी रेल सेवाएं निलंबित हैं। ट्रेन जलाई जा रही हैं और ममता बनर्जी इसे अल्पसंख्यकों के गुस्से के कारण हो रही हिंसा बताकर उचित ठहरा रही हैं। अभिषेक बनर्जी का कहना है कि जब मतदाता सूची से नाम हटाए जाएंगे तभी विरोध प्रदर्शन होंगे। उन्होंने कहा, ''वहां चुनाव अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं। वे आत्महत्या कर रहे हैं, तृणमूल कार्यकर्ताओं के अत्यधिक दबाव के आगे घुटने टेक रहे हैं।'' पात्रा ने आरोप लगाया कि बनर्जी और उनकी सरकार पश्चिम बंगाल समेत देश की सभी संवैधानिक प्रक्रियाओं पर 'हमला' कर रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''सीमा पर 72 संवेदनशील स्थल हैं जहां से बांग्लादेशी घुसपैठ कर रहे हैं। पत्र लिखे जाते हैं और बीएसएफ बार-बार बैठकें करती है, लेकिन ममता बनर्जी इन 72 बिंदुओं पर बाड़ लगाने के लिए जमीन उपलब्ध नहीं कराती हैं।''

पूर्वी चंपारण में 33 फीट ऊंचे शिवलिंग की स्थापना, मुख्यमंत्री नीतीश ने किया मंदिर स्थल का दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मोतिहारी (बिहार)/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को पूर्वी चंपारण जिले में निर्माणाधीन विराट रामायण मंदिर के स्थल का दौरा किया। इस दौरान मंदिर परिसर में 33 फीट ऊंचे एक विशाल शिवलिंग की स्थापना की गई।

जिले में मुख्यमंत्री की 'समृद्धि यात्रा' के दौरान नीतीश कुमार के साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। कुमार ने मंदिर स्थल का निरीक्षण किया और जारी निर्माण कार्यों की जानकारी ली। मंदिर में विशाल शिवलिंग की स्थापना के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रार्थना करने के लिए पहुंचे थे। तमिलनाडु के महाबलीपुरम में निर्मित इस 33 फीट ऊंचे शिवलिंग का वजन 210 मीट्रिक टन है। इसे विशेष रूप से तैयार किए गए 96 पहियों वाले 'ट्रेलर' पर कल्याणपुर लाया गया। इसे मोतिहारी पहुंचने में 45 दिन लगे।

बिहार राज्य धार्मिक न्यास परिषद (बीएसआरटीसी) के सदस्य सायन कुणाल और उनकी पत्नी एवं समस्तीपुर की सांसद संभवी चौधरी ने शिवलिंग की स्थापना के दौरान एक यज्ञ में हिस्सा लिया। कुणाल ने बताया, यह शिवलिंग एक ही चट्टान से बना है, इसीलिए इसे विश्व का सबसे बड़ा शिवलिंग माना जाता है।

उन्होंने कहा, इस शिवलिंग में 1008 छोटे शिवलिंग समाहित हैं। इसकी पूजा करने से भक्तों को 1008 शिवलिंगों की पूजा करने के बराबर आध्यात्मिक पुण्य प्राप्त होता है।

कुणाल ने यह भी बताया कि विराट रामायण मंदिर का निर्माण 2030 तक पूरा हो जाएगा। पटना स्थित महावीर मंदिर ट्रस्ट की टीम पूरी परियोजना की निगरानी कर रही है। मंदिर की आधारशिला 20 जून, 2023 को बीएसआरटीसी के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय आचार्य किशोर कुणाल ने रखी थी।

मुर्शिदाबाद में फिर तनाव, प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग एवं रेल पटरियों को अवरुद्ध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में शनिवार को एक बार फिर तनाव फैल गया। प्रदर्शनकारियों ने बेलडांगा में राष्ट्रीय राजमार्ग-12 और रेलवे पटरियों को अवरुद्ध कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, यह घटना एक प्रवासी मज़दूर की मौत को लेकर हुए आंदोलनों के कारण राज्य के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों के बीच सड़क और रेल संपर्क कई घंटों तक बाधित रहने के एक दिन बाद हुई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बेलडांगा के बरुआ मोड़ के निकट राजमार्ग पर सैकड़ों स्थानीय लोग इकट्ठे हो गए, जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग-12 पर यातायात ठप हो गया और फंसे हुए वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। सूत्रों के अनुसार, प्रदर्शनकारियों ने एक रेलवे गेट को भी नुकसान पहुंचाया और ट्रेन सेवाओं को बाधित करने का प्रयास किया।

स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने कुछ स्थानों पर प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठी-चार्ज किया है।

ताजा विवाद की वजह यह आरोप बना कि इसी क्षेत्र के एक अन्य प्रवासी मजदूर, अनीसुर शेख, के साथ बिहार में बेरहमी से मारपीट की गई। इससे शुक्रवार की हिंसा के बाद मुश्किल से शांत हुआ जनाक्रोश फिर से भड़क उठा।

पुलिस ने विरोध स्थल पर भारी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए। स्थानीय विधायक हुमायूं कबीर मौके पर पहुंचे और स्थिति को शांत करने के लिए प्रदर्शनकारियों और अधिकारियों से बातचीत की।

झारखंड सरकार दावोस, ब्रिटेन के कार्यक्रमों में 'ऊर्जा संक्रमण मॉडल' पेश करेगी

रांची/भाषा। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य का एक प्रतिनिधिमंडल स्विट्जरलैंड के दावोस और ब्रिटेन की आगामी यात्रा के दौरान राज्य सरकार के ऊर्जा संक्रमण मॉडल को पेश करेगा। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। सोरेन इस महीने दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक में भाग लेंगे और वैश्विक साझेदारी को मजबूत करने के लिए ब्रिटेन का भी दौरा करेंगे।

मुख्यमंत्री सचिवालय ने एक बयान में कहा, ''झारखंड का प्रतिनिधिमंडल दावोस में वैश्विक ऊर्जा नेताओं, निवेशकों, प्रौद्योगिकी प्रदाताओं और नीति संस्थानों के साथ संवाद करेगा। इस दौरान नवीकरणीय ऊर्जा तैनाती, ग्रिड आधुनिकीकरण, ऊर्जा भंडारण, स्वच्छ ईंधन और औद्योगिक डीकार्बोनाइजेशन के अवसरों को उजागर करने पर जोर होगा।'' बयान में कहा गया कि राज्य की ऊर्जा संक्रमण रणनीति जिम्मेदार विविधीकरण पर आधारित है, जो अपने मौजूदा ऊर्जा बुनियादी ढांचे का लाभ उठाते हुए निवेश को बढ़ावा देती है।

जडेजा की फॉर्म चिंता का विषय नहीं, एक विकेट उन्हें वापसी दिला देगा : सिराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर/भाषा। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने सीनियर ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा का समर्थन करते हुए शनिवार को यहां कहा कि वह जल्द ही अपनी लय हासिल कर लेंगे और रविवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे और अंतिम एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में बाएं हाथ के स्पिनर को अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में लौटने के लिए केवल एक विकेट की जरूरत होगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो वनडे मैचों में जडेजा विकेट लेने में नाकाम रहे थे। इससे पहले वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की शृंखला में भी केवल एक विकेट ले पाए थे।

सिराज ने मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से कहा, ''मुझे नहीं लगता कि जडेजा की फॉर्म किसी तरह से भी चिंता का विषय है। यह केवल एक विकेट की बात है। एक बार वह विकेट मिल जाए तो आपको एक बिल्कुल अलग तरह का गेंदबाज देखने को मिलेगा।''

सिराज ने कहा कि दोनों वनडे में दबाव में होने के बावजूद गेंदबाजी इकाई ने अच्छा प्रदर्शन किया। दूसरे वनडे में कुछ मौके गंवाए जिससे न्यूजीलैंड तीन मैच की शृंखला बराबर करने में सफल रहा। उन्होंने कहा, ''हमने दोनों मैचों में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। पहले वनडे में हमारी गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों ही शानदार रहीं। दूसरे मैच में शुरुआती विकेट गिरने के बावजूद केएल राहुल ने अच्छी बल्लेबाजी की और नितीश रेड्डी ने भी योगदान दिया।'' डैरिल मिचेल की मैच विजेता पारी के संदर्भ में सिराज ने कहा कि भारत के पास जीतने के मौके थे। उन्होंने कहा, ''एक मौका था। जब कैच छूटा। अगर हमने उस मौके का फायदा उठाया होता तो नतीजा अलग हो सकता था। विश्व स्तरीय बल्लेबाज आपको ज्यादा मौके नहीं देते। जब उन्हें जीवनदान मिलता है तो फिर आपको इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ती है।'' इस तेज गेंदबाज ने कहा, ''हमने उसे आउट करने की पूरी कोशिश की और खासकर बीच के ओवरों के लिए योजना बनाई थी। लेकिन आखिर में बात उस एक मौके पर आकर रुक जाती है। अगर हमने उसे मौके का फायदा उठाया होता तो स्थिति भिन्न होती।''

सिराज ने कहा कि निर्णायक मैच में खेलने से पहले टीम का माहौल सकारात्मक बना हुआ है। उन्होंने कहा, ''टीम का माहौल बहुत अच्छा है। सीनियर खिलाड़ियों का भरपूर सहयोग मिल रहा है। जीत और हार होती रहती हैं, लेकिन ड्रेसिंग रूम का माहौल बहुत ही सकारात्मक है।'' इंदौर के छोटे मैदान पर अर्शदीप सिंह के नई गेंद साझा करने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर सिराज ने कहा कि अंतिम एकादश पर फैसला करना टीम प्रबंधन का काम है। उन्होंने कहा, ''अर्शदीप ने बहुत अच्छी गेंदबाजी की है और नई गेंद से विकेट लिए हैं। कप्तान और कोच खिलाड़ियों की भूमिका तय करते हैं लेकिन एक गेंदबाज के तौर पर अगर दूसरे छोर पर कोई विकेट ले रहा है, तो मेरा काम दबाव बनाना और रन नहीं देना है। मुझे उस पर पूरा भरोसा है।''

'भारत का फीफा विश्व कप खेलने का सपना अब भी जीवंत है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय महिला फुटबॉल की दिग्गज खिलाड़ी आशालता देवी का कहना है कि फीफा महिला विश्व कप में देश को खेलते हुए देखने का सपना अब भी जीवंत है, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि विश्व के शीर्ष खिलाड़ियों के साथ अंतर को पाटने के लिए जमीनी स्तर पर निरंतर प्रगति महत्वपूर्ण है।

आशालता ने पीटीआई वीडियो से कहा, ''विश्व कप में खेलने का हमारा सपना अभी भी जीवित है। हमें इस समय और भी ज्यादा मेहनत करनी होगी।'' इस अनुभवी डिफेंडर ने कहा कि तीनों राष्ट्रीय टीमें अंडर-17, अंडर-19 और सीनियर टीम एएफसी एशियाई चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं, जिससे 2026 भारत में महिला फुटबॉल के लिए एक निर्णायक वर्ष साबित हो सकता है। उन्होंने कहा, ''अंडर-17, अंडर-19 और सीनियर टीम पहले ही एएफसी (प्रतियोगिताओं) के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। अगर हम वहां अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो जाहिर है कि विश्व कप का हमारा सपना पूरा हो सकता है। हमारा यह सपना अभी भी जीवित है।''

भारत की तरफ से 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली आशालता ने कहा कि सीनियर टीम लगातार अच्छी प्रगति कर रही है लेकिन अभी वह विश्वस्तरीय मानकों से काफी पीछे है। उन्होंने कहा, ''हम लंबे समय से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन फिर भी विश्वस्तरीय मानकों तक नहीं पहुंचे हैं। मुझे खिलाड़ियों पर पूरा भरोसा है। मुझे पूरी उम्मीद है कि इस बार हम विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में सफल रहेंगे।''

आशालता ने कहा कि खेल की जमीनी स्तर पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''समस्या यह है कि हम बुनियादी बातों को छोड़ देते हैं और सीधे तकनीकी पहलुओं पर चले जाते हैं। मैंने 13 साल की उम्र में फुटबॉल खेलना शुरू किया था। अब कई खिलाड़ी 10 या 11 साल की उम्र में शुरू करते हैं। लेकिन अगर हम पांच या छह साल की उम्र में शुरू करें तो खेल की बारीकियां अच्छी तरह से सीख सकते हैं।''

सुविचार

जज़्बा रखो हर पल जीतने का क्योंकि किस्मत बदले न बदले पर वक़्त जरूर बदलता है।

ट्वीट

भारतीय जनता पार्टी की जनहितकारी नीतियों से प्रभावित होकर जयपुर स्थित भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आजाद हिंद सेवा संगठन के श्री जय प्रकाश (बंटी सिंह) एवं उनके साथी कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

-मदन राठौड़

जोधपुर मंडल के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक बधाई। सर्वोत्तम मंडल एवं समग्र दक्षता शील्ड का सम्मान प्राप्त होना टीमवर्क का शानदार परिणाम है। आप यात्रियों के हित को सर्वोपरि रखते हुए उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करते रहें।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कहानी

अप्रत्याशित

अनुराग शर्मा

खि वह तीन लोग थे दो नई उम्र के छोकरे और एक अधेड़-सा आदमी! रात के अंधेरे में सहमें से आगे बढ़ रहे थे। इनके ऊपर डर का सकता इस कदर तारी था कि इनकी कनपटियां दहक रही थीं। सर्दियों की रात में भी माथे पर पसीना चुहचुहा आया था और कदमों में लड़खड़ाहट आ टिकी थी! रह-रह कर दस मिनट पहले का मंजर उनकी आंखों के आगे कौंध जाता और वे भय से सिहर उठते। वे दिहाड़ी मजदूर थे। आज छत पड़ने का दिन था, लिहाजा डबल मजदूरी के साथ खाना-पीना और दारू मालिक की तरफ से। शाम के धुंधलके में वापसी के वक्त खुशी और बादशाहत से इतरा रहे थे। दोनों छोकरों के लौंडपना पर अधेड़ भी अनचाहे ही मजा लेने के लिए विवश था। वैसे तो उसके भी पेट में गर्म मसाले की गमक वाले भोजन के साथ देसी ठर्रा लहरा रहा था। मगर समय ने उसे पीट-पाट के एक अलग ढंग का बना दिया है। चटक भोजन और नशा उसमें बमक नहीं पैदा कर पाता है, बल्कि शराब के दो कुल्हड़ तो अब उसे गर्दन पकड़कर गृहस्थी के बीच ला खड़ा करते हैं।

पत्नी बीमार रहती है। बच्चे पढ़ाई में ठीक हैं। बेटी इस साल बारहवीं में है और बेटा दसवीं में। वह दलित है तो बच्चे को छात्रवृत्ति मिलती है। पढ़ाई का वैसे तो कोई खर्च नहीं है। पर पढ़ने वाले बच्चों को कायदे का पहनावा और अच्छा खाना तो चाहिए ही! राशन कार्ड बना है। कोटा से खाद्य सुरक्षा योजना का अनाज मिल जाता है। फिर भी सब्जी, दाल, मसाला, तेल-घी, साबुन और गैस का खर्च कम नहीं होता। तिस पर पत्नी की बीमारी... हर महीने बहुत हाथ दबा के भी सात-आठ सौ की डाक्टरी करानी ही पड़ जाती है... कहां से लाये?

यह चुनौती है उसके सामने... रोज काम मिलता रहे तो ले-देकर गनीमत रहती है। मगर पचास की उम्र में वह बूढ़ा-सा लगने लगा है, कोई उसे दिहाड़ी पर नहीं रखना चाहता। नई उम्र के लड़कों के साथ तालमेल बनाए रखने का एक फायदा है, इन दोनों के पीछे उसे भी काम मिल जाता है। उसे छोड़कर बात करने पर दोनों लड़के काम पर जाने के लिए राजी नहीं होते। यही कारण है, लौंडों की बकझक और पड़क्कई उसे मन मसोस कर झेलनी पड़ती है... आज भी झेल ही रहा था। देखने वाला तो यही समझता कि छोकरों के साथ वह भी बौरा गया है...! धींगामुश्ती करते और लुरियाते हुए वे तफरी काटते मकनपुर गांव के करीब नलकूप तक आ गए थे।

यहां नलकूप का बल्ब जल रहा था। किन्तु कटहल के पेड़ की छाया से बल्ब का उजाला छोटे-छोटे टुकड़ों में बिखरा था, तभी चालीस-पचास मीटर आगे गांव वाले खड़ंजा से वह इस चकरोड पर आ गई। बाईस-तेईस साल की पटियाला सूट पर कार्डिगन डाले अल्हड़ युवती के हाथ में मोबाइल रोशन था... वह तेज कदमों से चलती पन्द्रह-बीस मीटर आगे बढ़ी होगी, उसी समय एक छोकरा बुंबुआ उठा-'हाय... हाय... चांद का टुकड़ा... एक रोज आजा मेरी गली में...।'

'क्या हो गया शंभू काका?' कहते हुए वह गफलत में एक ईंट से ठोकर खाकर कुछ इस अन्दाज में लड़खड़ा के आगे बढ़ा, जैसे सामने से चली आ रही लड़की पर झपट पड़ा हो... लड़की ने उसी क्षण मोबाइल की रोशनी उसकी तरफ घूम दिया। सामने वहशी शक्ल और सीमेंट के दाग-धब्बों भरे लिबास वाला आदमी उसे खतरनाक-सा लगा। वह बेसाख्ता चीख पड़ी'हाय मम्मी... बचाओ... बचाओ...!'

गांव वहां से बमुश्किल सौ मीटर। फिर रात में आवाज भी गूंजती है। गांव की तरफ से तत्काल किसी ने कहा'हे...! हे...! कौन...? जल्दी से दो-चार लोगों को लेकर आओ, उधर चकरोड पर कोई चिल्ला रहा है, मैं आगे बढ़ के देखता हूं...!' शंभू को काटो तो खून नहीं... उसकी अनुभवी खोपड़ी खतरा भांप चुकी थी। ठाकुर, यादव और खां साहब जैसे जबरा लोगों का गांव...! अभी चार-छह लोग आ धमकेंगे और... इन छोकरे लोगों के पीछे मेरी भी मजदूरी... अब ऐसे मौके पर छोड़कर भागना भी ठीक नहीं...। वह तुरन्त लड़की के सामने घुटनों पर आ गया। सिर का अंगोछा उसके पैरों पर रख दिया और हाथ जोड़कर गिड़गिड़ाने लगा'बबुआइन रानी, हम छोटी जात के हैं। हमारी बुद्धि खोटी है। बात ओछी है, आपके यहां मजूरी-धतूरी करके परिवार जियाते हैं। अभी चार डंडा पड़ा नहीं कि खटिया पकड़ लेंगे, मजूरी बन्द और बच्चों का भूख से बिलबिलाना शुरू...।' 'कौन गोहार लगा रहा था... हम पहुंच गए...।' कहता कोई मोड़ के पास पहुंचने वाला था। उसके पीछे की अस्पष्ट-सी आवाजों का मतलब था कि पीछे कुछ और लोग भी थे।

शंभू हड़बड़ी में खड़ा हो गया, मगर दया की भीख मांगता रहा, 'बबुआइन रानी, आप की जात बड़ी है। समझदार हैं। यह छोटमनई है, धिंगरपन कर रहा था। माफ कर दें बिटिया, हमें बचा लें...।' उसकी आवाज में गजब की पत्थर को मोम बना देने वाली दीनताभरी याचना थी। घृणा, डर, अपमान और क्रोध के मिले-जुले भावों से भरी युवती पर इसका असर पड़ा। वह अन्दर से बर्फ की तरह पिघलने लगी थी...। तभी डंडा लिए टार्च की रोशनी करता एक आदमी आ गया। लड़की से मुखातिब हुआ, 'क्या बात है ? क्यों चिल्ला रही थी...?' देखते-देखते चार लोग और आ गए। अठारह-उन्नीस साल का एक लड़का आगे आया, 'दीदी आप...! अकेली यहां...?'

'रूपेश, वो क्या है कि...' कहते हुए लड़की ने डंडा वाले आदमी की तरफ रुख किया'काका! हम लड़कियां सुबह-शाम शिवाला तक दौड़ लगाती हैं। आज घर से निकलने में देर हो गई। पता चला-रूबी, चन्दा और राधा अभी-अभी निकली हैं। मैंने सोचा, आगे बढ़ के देख लूं... मैं खड़ंजा से मुड़कर इस तरफ बढ़ी, तभी...।' लड़की ने अपनी बात रोक दी और चकरोड के दोनों तरफ खड़े गन्ने के खेतों को देखने लगी...। शंभू, बदलू और उसके तीसरे साथी का डर से बुरा हाल हो गया...। पहले दिल की धुकधुकी तेज हुई, फिर कान के आसपास जलन...। रूपेश के साथ आने वालों के बीच से एक ने पूछा 'फिर क्या हुआ ?'

'यह कुछ कहे क्या?' उन तीनों की तरफ उंगली दिखाते हुए दूसरे तावगर नौजवान ने सख्त लहजे में तस्दीक किया। 'असल में भैया, बात यह हुई कि हमारा दसेक कदम इधर चलना हुआ होगा, तभी सामने से जंगली सुअर झपट पड़ा... बस मेरी चीख निकल पड़ी। यह काका और भइया लोग अगर जान पर खेलकर सुअर को खदेड़ न दिये होते तो हमला बोल ही चुका था...।' लड़की ने नई कहानी गढ़ के मामले की गर्माहट निकाल दी। गांव वालों ने एक स्वर से लड़की को सुअर, नीलगाय, लकड़बग्घा, शराबी, लफंगा, भेड़िया, मवाली वगैरह का हवाला देकर रात में अकेले न निकलने की हिदायत के साथ घर लौटा दिया। फिर मजदूरों की औपचारिक शुक्रिया अदायगी के बाद सब गांव की तरफ लौट गए।

मजदूर एक बड़े हादसे से बाल-बाल बच गए थे, लेकिन उन पर एकबारगी दहशत का जो पहाड़ टूट पड़ा था, उससे उबरने में टाइम लगा...। धीरे-धीरे यह लोग प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क पर आ गए थे। यहीं से डेढ़-दो सौ मीटर आगे जाने पर इनकी बस्ती की पगडंडी निकलती है। यहां से मकनपुर गांव की रोशनियां धुंधली-सी दिख रही थी। अब इनके गुम हवास वापस आने लगे थे, डर भी जा चुका था।

इतनी देर से सुन्न पड़े बदलू का दिमाग फिर खुरपेंच में जुट गया। उसने साथ चलते हमजोली से कहा, 'फत्ते, तिरिया चरित्तर का नमूना देखे!' आगे बढ़ते शंभू ने सुन लिया। अपने लिए इन दोनों की अहमियत से वह वाकिफ था। इसलिए इनकी बेहूदी बातें अनसुनी कर दिया करता था। लेकिन आज खुद को नहीं रोक पाया। अनजाने ही गुस्से में पलटा और दांत पीसता हुआ इनके सामने आ खड़ा हुआ। दोनों का कंधा पकड़कर जोरों से झकझोरते हुए बोला'कुक्कुर आदमी, चार-चार डंडा खा के लंगड़ाते-कराहते हुए नहीं चल रहे तो उसी की बदौलत... वह देवी थीं हरामियो देवी...! उसके किए-धरे को तिरिया चरित्तर कहकर अपनी सड़ियल औकात मत दिखाओ... समझे!' इसके बाद शंभू गंदगी से दूर भागने के अंदाज में दनदनाता हुआ गांव की पगडंडी की तरफ बढ़ गया। जबकि फत्ते और बदलू उसके अप्रत्याशित व्यवहार से भौचक्के, खड़े रह गए थे। (साभार : द ट्रिब्यून)

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

सोना और सोना

'समय बलवान, समय का करो सम्मान', बचपन में इस तरह की अनेक कहावतें सुनते थे। बाल मन कच्ची मिट्टी होता है, जल्दी ग्रहण करता है। जो ग्रहण करता है, वही अंकुरित होता है। जीवनमूल्यों के बीज, जीवनमूल्यों के वृक्ष खड़े करते हैं। अब अनेक बार किशोरों और युवाओं को मोबाइल पर बात करते सुनते हैं,- क्या चल रहा है?... कुछ खास नहीं, बस टीपी।.. टीपी अर्थात टाइमपास। आश्चर्य तो तब होता है जब अनेक पत्र-पत्रिकाओं के नाम भी टाइमपास, फुल टाइमपास, ऑनली टाइमपास, हँड्रेड परसेंट टाइमपास देखते-सुनते हैं। वैचारिक दिशा और दशा के संदर्भ में ये शीर्षक बहुत कुछ कह देते हैं।

वस्तुतः व्यक्ति अपनी दिशा और दशा का निर्धारक स्वयं ही होता है। गोस्वामी जी ने लिखा है- बड़े भाग मानुष तन पावा। सुर दुर्लभ सब ग्रंथन्हि गावा।। मनुष्य तन पाना सौभाग्य की बात है। देवताओं के लिए भी यह मनुष्य योनि पाना दुर्लभ है। वस्तुत: ईश्वर से साक्षात्कार की सारी संभावनाएँ इसी योनि में हैं। ध्यान देने योग्य बात है कि यह योनि नश्वर है।

योनि नश्वर है, अर्थात कुछ समय के लिए ही मिली है। यह समय भी अनिश्चित है। किसका समय कब पूरा होगा, यह केवल समय ही जानता है। ऐसे में क्षण-क्षण का अपितु क्षणांश का भी जीवन में बहुत महत्व है। जिसने समय का मान किया, उसने जीवन का सदुपयोग किया। जिसने समय का भान नहीं रखा, उसे जीवन ने कहीं का नहीं रखा। अपनी कविता 'क्षण-क्षण' का स्मरण हो आता है। कविता कहती है, मेरे इर्द-गिर्द / बिखरे पड़े हज़ारों क्षण / हर क्षण खिलते/ हर क्षण बुढ़ाते क्षण/ मैं उठा/ हर क्षण को तह कर / करीने से समेटने लगा / कई जोड़ी आँखों में / प्रश्न भी उतरने लगा / क्षण समेटने का / दुस्साहस कर रहा हूँ /मैं यह क्या कर रहा हूँ?..अजेय भाव से मुस्कराता / मैं निशब्द / कुछ कह न सका/ समय साक्षी है / परास्त वही हुआ जो/ अपने समय को सहेज न सका।

एक प्रसंग के माध्यम से इसे बेहतर समझने का प्रयास करते हैं। साधु महाराज के गुरुकुल में एक अत्यंत आलसी विद्यार्थी था। हमेशा टीपी में लगा रहता। गुरुजी ने उसका आलस्य दूर करने के अनेक प्रयास किए पर सब व्यर्थ एक दिन गुरुजी ने एक पत्थर उसके हाथ में देकर कहा, वत्स मैं तुझ से बहुत प्रसन्न हूँ। यह पारस पत्थर है। इसके द्वारा लोहे से सोना बनाया जा सकता है। मैं दो दिन के लिए आश्रम से बाहर जा रहा हूँ। दो दिन में चाहे उतना सोना बना लेना। कल सूर्यास्त के समय लौट कर पारस वापस ले लूँगा। गुरु जी चले गए। आलसी चेले ने सोचा, दो दिन का समय है। गुरु जी नहीं हैं, सो आज का दिन तो सो लेते हैं, कल बाजार से लोहा ले आएँगे और उसके बाद चाहिए उतना सोना बना कर लेंगे। पहले दिन तो सोने पर उसका उसका सोना भारी पड़ा। अगले दिन सुबह नाश्ते, दोपहर का भोजन, बाजार जाने का लक्ष्य इस सबके नाम पर टीपी करते सूर्यास्त हो गया। हाथ में आया सोना, सोने के चलते खोना पड़ा।

स्मरण रहे, यह पारस कुछ समय के लिए हरेक को मिलता है। उस समय सोना और सोना में से अपना विकल्प भी हरेक को चुनना पड़ता है। इति।

परियां बनी तितलियां

एक बार की बात है। परिस्तान की सात सुंदर परियाँ धरती की सैर पर निकलीं। परिस्तान एक ऐसा स्थान है जहाँ केवल परियाँ, जादू और खुशियाँ ही रहती हैं। वहाँ न दुख होता है, न रोना, न शोर। लेकिन धरती की सुंदरता की बातें परियाँ अक्सर सुना करती थीं। इस बार उन्होंने सोचा, चलो धरती की सैर करें! वे सातों परियाँ धरती पर उतर आईं। जैसे ही उन्होंने धरती को देखा, वे हैरान रह गईं। चारों तरफ हरियाली थी। बड़े-बड़े पेड़, रंग-बिरंगे फूलों से सजे बाग, कल-कल करते झरने, नीला आसमान, पहाड़ों की चोटियाँ, और खुले खेतों में लहराते सोने जैसे गेहूँ धरती सचमुच बहुत सुंदर थी! जहाँ भी उनकी नजर पड़ी, उन्हें कुछ नया, कुछ अनोखा देखने को मिला। पशु कूदते-फाँदते इधर-उधर दौड़ रहे थे, पक्षी मधुर गीत गा रहे थे, और आसमान में बादल धीरे-धीरे उड़ रहे थे। परियों को सबसे ज़्यादा सुंदर लगा एक बगीचा। वहाँ के फूल इतने रंगीन और खुशबूदार थे कि परियाँ उन्हें देखते ही रह गईं। उनके चारों ओर रंग-बिरंगी तितलियाँ उड़ रही थीं। उन तितलियों को देखकर परियों का भी खेलने का मन हो गया।

परियों ने एक जादू किया और खुद को तितलियों में बदल लिया। अब वे भी रंग-बिरंगी पंखों वाली तितलियाँ बन चुकी थीं कोई नीली, कोई लाल, कोई पीली, कोई हरी! वे फूलों पर बैठतीं, फिर उड़ जातीं, कभी गुनगुनातीं, कभी झूले जैसी पत्तियों पर झूल जातीं। हर दिन वे उस बगीचे में आकर तितलियाँ बन जातीं और खेलती रहतीं। यह उनका रोज़ का काम बन गया था धरती पर आओ, तितली बनो, खेलो और गुनगुनाओ।

एक दिन की बात है। बगीचे में एक छोटा सा बच्चा आया, जिसका नाम हरजोध था। वह बहुत प्यारा और जिज्ञासु बच्चा था। वह फूलों के बीच खेल रहा था, तभी उसकी नजर एक खास तितली पर पड़ी। यह वही तितली थी, जो असल में परी थी सबसे सुंदर, सबसे चमकीले पंखों वाली! हरजोध ने बिना सोचे समझे झट से उसे पकड़ लिया। तितली-परी को बहुत डर लगा। वह सोचने लगी, अगर हरजोध ने मुझे कभी नहीं छोड़ा, तो मैं परियों के देश कैसे लौट पाऊँगी? पर वो कुछ कह नहीं सकती थी वो तो अभी तितली के रूप में थी। लेकिन हरजोध को ऐसा लगा जैसे तितली कुछ कह रही हो, जैसे उसकी आँखों में एक खास बात हो। उसने तितली को ध्यान से देखा और बोला, क्या तुम आज़ाद होना चाहती हो? तितली ने पंख धीरे से फड़फड़ाए, जैसे हाँ कह रही हो।

हरजोध को समझ आ गया कि इस सुंदर तितली को उड़ना पसंद है। वह मुस्कराया और बोला, जा तितली, उड़ जा। तुम्हें आज़ाद रहना चाहिए। जैसे ही उसने तितली को छोड़ा, तितली फौरन उड़ गई, पर थोड़ी देर बाद उसने हवा में एक गोल चमकदार गोला बनाया, जो धीरे-धीरे आसमान में गायब हो गया।

हरजोध की आँख खुली, तो वह अपने बिस्तर पर था। उसे लगा जैसे वो सपना था, लेकिन तभी उसकी तकिये के पास एक चमकदार पंख रखा हुआ था वही पंख जो परी के तितली रूप में था। हरजोध समझ गया कि वह सपना नहीं था। वह सच था। और अब से वह हमेशा जानवरों, पक्षियों और तितलियों की रक्षा करेगा। उस दिन के बाद हरजोध बगीचे में रोज़ जाता, लेकिन तितलियों को पकड़ता नहीं उन्हें देखता, उनके साथ गुनगुनाता और मुस्कराता। क्योंकि अब वह जान गया था हर तितली में एक परी हो सकती है।

उसी रात हरजोध को एक बहुत ही सुंदर सपना आया। उसके सामने वही तितली आई, लेकिन अब वह तितली नहीं, एक परी बन चुकी थी! उसके लंबे बाल, चमकदार पंख और मुस्कराता चेहरा देखकर हरजोध बहुत खुश हुआ। परी ने मुस्कराकर कहा, हरजोध, तुमने मुझे आज़ाद किया, इसलिए मैं तुम्हें एक खास तोहफा देने आई हूँ। पलक झपकते ही परी ने अपने जादू से हरजोध को हवा में उड़ाया, और वे दोनों एक चमकदार रास्ते पर उड़ते हुए परियों की दुनिया परिस्तान पहुँच गए। वहाँ सब कुछ चमक रहा था। रंग-बिरंगे फूल, झीलों का मीठा पानी, और चारों ओर उड़ती परियाँ। परी ने हरजोध को वहाँ के फल खाने को दिए जैसे मीठे आम, रस भरे अनानास, और जादुई सेब, जिनका स्वाद उसने पहले कभी नहीं चखा था। फिर परी ने एक प्याले में दूध दिया, जो बिल्कुल सफेद और झिलमिलाता था। हरजोध ने जैसे ही एक घूंट पिया, उसे लगा जैसे वह उड़ने लगा हो वो दूध सचमुच अमृत जैसा था। हरजोध वहाँ बहुत देर तक खेला, नाचा, गाया और परियों से दोस्ती की। फिर परी ने कहा, अब तुम्हें वापस जाना होगा, लेकिन याद रखना, जब भी तुम किसी को आज़ाद करोगे, किसी की मदद करोगे, हम परियाँ तुम्हारे साथ होंगी।

हरजोध की आँख खुली, तो वह अपने बिस्तर पर था। उसे लगा जैसे वो सपना था, लेकिन तभी उसकी तकिये के पास एक चमकदार पंख रखा हुआ था वही पंख जो परी के तितली रूप में था। हरजोध समझ गया कि वह सपना नहीं था। वह सच था। और अब से वह हमेशा जानवरों, पक्षियों और तितलियों की रक्षा करेगा। उस दिन के बाद हरजोध बगीचे में रोज़ जाता, लेकिन तितलियों को पकड़ता नहीं उन्हें देखता, उनके साथ गुनगुनाता और मुस्कराता। क्योंकि अब वह जान गया था हर तितली में एक परी हो सकती है।

बोध कथा

जब शेर जी उठा

एक नगर में चार मित्र रहते थे । उनमें से तीन बड़े वैज्ञानिक थे, किन्तु बुद्धिरहित थे; चौथा वैज्ञानिक नहीं था, किन्तु बुद्धिमान था । चारों ने सोचा कि विद्या का लाभ तभी हो सकता है, यदि वे विदेशों में जाकर धन संग्रह करें । इसी विचार से वे विदेशयात्रा को चल पड़े ।

कुछ दूर जाकर उनमें से सब से बड़े ने कहा-हम चारों विद्वानों में एक विद्या-शून्य है, वह केवल बुद्धिमान है । धनोपार्जन के लिये और धनिकों की प्रसन्नता प्राप्त करने के लिये विद्या आवश्यक है । विद्या के चमत्कार से ही हम उन्हें प्रभावित कर सकते हैं । अतः हम अपने धन का कोई भी भाग इस विद्याहीन को नहीं देंगे । वह चाहे तो घर वापिस चला जाये ।

दूसरे ने इस बात का समर्थन किया । किन्तु, तीसरे ने कहा- यह बात उचित नहीं है । बचपन से ही हम एक दूसरे के सुख-दुःख के सहभागी रहे हैं । हम जो भी धन कमायेंगे, उसमें इसका हिस्सा रहेगा । अपने-पराये की गणना छोटे दिल वालों का काम है । उदार-चरित व्यक्तियों के लिये सारा संसार ही अपना कुटुम्ब होता है । हमें उदारता दिखलानी चाहिये ।

उसकी बात मानकर चारों आगे चल पडे । थोड़ी दूर जाकर उन्हें जंगल में एक शेर का मृत-शरीर मिला । उसके अंग-प्रत्यंग बिखरे हुए थे । तीनों विद्याभिमानी युवकों ने कहा, आओ, हम अपनी विज्ञान की शिक्षा की परीक्षा करें । विज्ञान के प्रभाव से हम इस मृत-शरीर में नया जीवन डाल सकते हैं । यह कह कर तीनों उसकी हड्डियां बटोरने और बिखरे हुए अंगों को मिलाने में लग गये । एक ने अस्थिसंचय किया, दूसरे ने चर्म, मांस, रुधिर संयुक्त किया, तीसरे ने प्राणों के संचार की प्रक्रिया शुरु की । इतने में विज्ञान-शिक्षा से रहित, किन्तु बुद्धिमान मित्र ने उन्हें सावधान करते हुए कहा - जरा ठहरो । तुम लोग अपनी विद्या के प्रभाव से शेर को जीवित कर रहे हो । वह जीवित होते ही तुम्हें मारकर खाजायेगा ।

वैज्ञानिक मित्रों ने उसकी बात को अनसुना कर दिया । तब वह बुद्धिमान बोला - यदि तुम्हें अपनी विद्या का चमत्कार दिखलाना ही है तो दिखलाओ । लेकिन एक क्षण ठहर जाओ, मैं वृक्ष पर चढ़ जाऊँ । यह कहकर वह वृक्ष पर चढ़ गया ।

इतने में तीनों वैज्ञानिकों ने शेर को जीवित कर दिया । जीवित होते ही शेर ने तीनों पर हमला कर दिया । तीनों मारे गये ।

अतः शास्त्रों में कुशल होना ही पर्याप्त नहीं है । लोक-व्यवहार को समझने और लोकाचार के अनुकूल काम करने की बुद्धि भी होनी चाहिये । अन्यथा लोकाचार-हीन विद्वान भी मूर्ख-पंडितों की तरह उपहास के पात्र बनते हैं ।

वीर गाथा

असिस्टेंट कमांडेंट एशेंथुंग किकोन: जबरन वसूली कर रहे बदमाशों को दबोचा, बड़ी वारदात को किया नाकाम

असिस्टेंट कमांडेंट एशेंथुंग किकोन का जन्म नागालैंड के वोखा जिले में स्थित लखूटी गांव में हुआ था। माता थोमिलो किकोन और पिता न्रिनिमो किकोन के बेटे एशेंथुंग बचपन से ही बहुत साहसी स्वभाव के रहे हैं। वे 4 असम राइफल्स के वीर योद्धा हैं। एशेंथुंग किकोन को साल 2024 में मणिपुर के एक संवेदनशील इलाके में स्पेशल रेकी टीम में तैनात किया गया था। उन्हें 5 अगस्त को देर रात दर्जनभर बदमाश दिखाई दिए, जिनके पास घातक हथियार थे। वे लोगों से जबरन वसूली कर रहे थे। यह देखकर एशेंथुंग ने तुरंत अपने जवानों को आदेश दिया और मुकाबला शुरू हो गया। जवानों ने उस इलाके की घेराबंदी कर ली थी। इससे बदमाशों में भारी घबराहट फैल गई थी। इस दौरान एक बदमाश ने जवान पर हथियार तान दिया था।

उस समय एशेंथुंग ने अत्यंत वीरता का प्रदर्शन करते हुए उस बदमाश पर गोलीबारी की, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। असिस्टेंट कमांडेंट एशेंथुंग किकोन और साथी जवानों ने गजब की फुर्ती दिखाते हुए सभी बदमाशों को पकड़ लिया। उन्होंने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए। उस सामग्री से बदमाश बहुत बड़ी वारदात को अंजाम दे सकते थे।

एशेंथुंग किकोन ने बदमाशों को हिरासत में लिया और उस इलाके से सुरक्षित निकाला। उन्होंने सबकी मेडिकल जांच कराई। इसके बाद उन्हें स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। असिस्टेंट कमांडेंट एशेंथुंग किकोन को उनकी वीरता, साहस, सूझबूझ और कर्तव्य परायणता के लिए 'शौर्य चक्र' से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन

डोडा में शनिवार को पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के कर्मचारी एम्प्लॉइज यूनाइटेड फ्रंट द्वारा सेवाओं को रेगुलर करने की मांग को लेकर आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान नारे लगाते हुए।

क्यों कुछ लोग भूख लगने पर अधिक उग्र हो जाते हैं?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन। मैंने अपने बेटे से कहा, चलो, अब हमें चलना चाहिए। लेकिन मेरा बेटा मेरी बात नहीं सुन रहा था। खेल के मैदान की रेत भुरभुरी थी और इसलिए वह अपने नए खिलौने वाले एक्सकेवेटर से उसे खोद रहा था। इसके बाद मैं अपने दैनिक काम निपटाने लगी तभी उसकी खिलखिलाहट अचानक सिसकियों में बदल गई। मेरे बेटे को चोट नहीं लगी थी, बस वह बहुत परेशान था। जब मैंने अपना फोन देखा, तो पता चला कि उसके खाने का समय काफी पहले ही बीत चुका था और उसे बहुत भूख लग रही थी। हम चाहे कितने भी बड़े हो जाएं, शरीर को पर्याप्त भोजन न मिलने पर हम सभी चिड़चिड़े हो जाते हैं। मनुष्य हमेशा से इस अनुभव का सामना कर रहा है, लेकिन इस घटना को परिभाषित करने वाला विशिष्ट शब्द 'हैंग्री' ऑक्सफोर्ड के अंग्रेजी शब्दकोष में 2018 में ही शामिल हुआ।

इस शब्द का अभिप्राय है भूख के कारण चिड़चिड़ा या बदमिजाज होना। शायद इससे भी अधिक आश्चर्यजनक बात यह है कि भूख लोगों के रोजमर्रा की मनोदशा को कैसे प्रभावित करती है, इस पर शोध की कमी है। भोजन और मनोदशा पर किए गए अधिकांश अध्ययनों में चयापचय संबंधी या खाने के विकारों से पीड़ित रोगियों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। शायद इसलिए कि कई मनोवैज्ञानिकों ने परंपरागत रूप से भूख को एक बुनियादी शारीरिक प्रक्रिया के रूप में समझा है। इसलिए, मनोविज्ञान और मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र से जुड़े अपने सहयोगियों के साथ मिलकर, मैंने यह पता लगाने का फैसला किया कि भूख लगने पर अलग-अलग लोग कैसी प्रतिक्रिया करते हैं। हम यह देखना चाहते थे कि क्या (और क्यों) कुछ लोग भूख लगने पर भी संयमित रहते हैं। शायद इससे छोटे बच्चों वाले माता-पिता को भी कुछ सीखने को मिले। पशु जगत में, अक्सर भूख को एक प्रमुख प्रेरक के रूप में इसकी भूमिका के लिए अध्ययन किया जाता है। उदाहरण के लिए, भूखे चूहे भोजन प्राप्त करने के लिए किसी वस्तु को पूरी ताकत से खोलने की कोशिश करते हैं या बड़ी दीवारों पर चढ़ जाते हैं। जंगल में, भूखे जानवर अक्सर अपने वातावरण का पता लगाने के लिए और दूर तक घूमते हैं, और कम या बिल्कुल भी ऊर्जा न होने के खतरे से उबरने की कोशिश में बेचैन दिखाई देते हैं। ग्लूकोज शरीर और मस्तिष्क के लिए ऊर्जा का प्राथमिक स्रोत है, और इसके स्तर की निगरानी नैदानिक अभ्यास में मधुमेह रोगियों को उनके रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करने के लिए करते हैं। हर कुछ मिनटों में परिमाण रिपोर्ट करते हैं।

चीन ने अमेरिकी कर्ज को 17 साल के निचले स्तर तक कम किया, मुद्रा भंडार को सोने में बदला

बीजिंग। वाशिंगटन के साथ अस्थिर संबंधों के बीच चीन ने अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने और विदेशी इक्विटी निवेशों की हिस्सेदारी को बढ़ाया है, जबकि अमेरिकी ट्रेजरी होल्डिंग्स को 17 साल के निचले स्तर तक घटा दिया है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने बृहस्पतिवार को जारी आंकड़ों में बताया कि चीन की अमेरिकी ट्रेजरी होल्डिंग पिछले साल नवंबर में घटकर 682.6 अरब डॉलर रह गई, जो अक्टूबर में 688.7 अरब डॉलर थी। यह 2008 के बाद का सबसे निचला स्तर है। आंकड़ों के अनुसार चीन ने अपनी अमेरिकी ट्रेजरी होल्डिंग में कटौती करने का कदम ऐसे वक्त में उठाया, जब अमेरिका पर कर्ज रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। इस दौरान जापान और ब्रिटेन ने अपनी होल्डिंग बढ़ाई। जापान की होल्डिंग 2.6 अरब डॉलर बढ़कर 1200 अरब डॉलर हो गई, जबकि ब्रिटेन की होल्डिंग 10.6 अरब डॉलर बढ़कर 888.5 अरब डॉलर हो गई। आधिकारिक मीडिया रिपोर्टों के अनुसार चीन के पास दुनिया का सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार है, जो दिसंबर 2025 के अंत में कुल 3,357 अरब डॉलर था। पर्यवेक्षकों का कहना है कि चीन ने अमेरिकी होल्डिंग में कमी करके सोने, गैर-अमेरिकी मुद्राओं और विदेशी इक्विटी निवेश जैसी अन्य संपत्तियों में निवेश बढ़ाया है। शंघाई यूनिवर्सिटी ऑफ फाइनेंस एंड इकोनॉमिक्स के प्रोफेसर शी जुन्यांग ने ग्लोबल टाइम्स को बताया, चीन की अमेरिकी ट्रेजरी होल्डिंग में कमी हाल के वर्षों में विदेशी संपत्तियों की होल्डिंग्स के बढ़ते अनुकूलन और विविधीकरण का नतीजा है।

बांग्लादेश में कार चालक ने हिंदु युवक को कुचला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/ढाका। बांग्लादेश में एक कार चालक ने पेट्रोल पंप पर काम करने वाले एक हिंदू युवक को पेट्रोल की कीमत चुकाए बिना वहां से जाने की कोशिश करने से रोकने पर अपने वाहन से कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अबतक पुष्टि नहीं हो पाई है कि राजबाड़ी जिले में शुक्रवार को हुई घटना का बांग्लादेश में हिंदुओं को निशाना बनाकर की गई हालिया हिंसा से कोई संबंध है या नहीं। 'द डेली स्टार' अखबार ने पुलिस अधिकारियों के हवाले से प्रकाशित खबर में कहा कि मृतक की पहचान रिपन साहा (30) के रूप में हुई है, जो गोलंदा मोड़ स्थित करीम पेट्रोल पंप पर काम करता था। समाचार पोर्टल 'बीडीन्यूज24 डॉट कॉम' पर राजबाड़ी सदर पुलिस प्रमुख खोनदाकर जियाउर रहमान के हवाले से प्रसारित खबर में कहा गया है, हम हत्या का मामला दर्ज करेंगे। पेट्रोल की कीमत चुकाने से इनकार करने पर कर्मी गाड़ी के सामने खड़ा हो गया और वे उसे कुचलकर भाग गए। पुलिस और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शुक्रवार तड़के लगभग साढ़े चार बजे एक काली एसयूवी में सवार लोग पेट्रोल पंप पहुंचे और 5,000 टका (लगभग 3,710 रुपये) का पेट्रोल भरवाया। उन्होंने बताया कि जब एसयूवी चालक ने पेट्रोल की कीमत चुकाए बिना वहां से जाने की कोशिश की, तो रिपन उसके आगे खड़ा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एसयूवी चालक रिपन को कुचलते हुए वहां से भाग गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में रिपन की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि उसने बाद में एसयूवी को जब्त कर लिया और उसके मालिक अब्दुल हाशिम उर्फ सुजान (55) तथा चालक कमाल हुसैन (43) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, पेशे से ठेकेदार हाशिम बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की राजबाड़ी जिला इकाई का कोषाध्यक्ष और जुबो दल का पूर्व जिला अध्यक्ष रहा है।

साई दुर्गा तेज की 'सांबरला येतिगट्टू' का नया पोस्टर जारी

हैदराबाद/एजेन्सी

निर्देशक रोहित के. पी. की एक्शन फिल्म 'सांबरला येतिगट्टू' (एसवाईजी) काफी चर्चा में है। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में पहले से ही काफी उत्सुकता है, और अब निर्माताओं ने एक नया पोस्टर जारी कर इस उत्सुकता को और बढ़ा दिया है। पोस्टर में मुख्य अभिनेता साई दुर्गा तेज को बिल्कुल नए और अनोखे अंदाज में दिखाया गया है। यह फिल्म एक पैन-इंडिया पीरियड एक्शन ड्रामा है, जिसका निर्माण बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। इसे के. निरंजन रेड्डी और चैतन्य रेड्डी प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह प्राइम शो एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही है। इसी बैनर ने पहले पैन-इंडिया ब्लॉकबस्टर 'हनुमान' का निर्माण किया था। फिल्म के निर्माताओं का उद्देश्य इसे एक बड़े दर्शक वर्ग के लिए तैयार करना और एक्शन के साथ-साथ गहरी भावनाओं और ग्रामीण संस्कृति को प्रस्तुत करना है। पोस्टर में साई दुर्गा तेज को एक ऐसी ग्रामीण छवि में दिखाया गया है, जिसे दर्शकों ने पहले कभी स्क्रीन पर नहीं देखा था। वह ग्रे शर्ट और पारंपरिक पांचा कत्तु पहने नंगे पांव चलते हुए नजर आ रहेहैं।। पोस्टर में वह किसान के रूप में बैल को पकड़ते हुए आगे बढ़ रहेहैं।

साई दुर्गा तेज ने अपने किरदार को दमदार बनाने के लिए बॉडी लैंग्वेज पर कड़ी मेहनत की है। वह फिल्म में चुनौतीपूर्ण एक्शन सीन करते नजर आएंगे। इन सीन्स में उनकी ताकत और मेहनत साफ दिखाई देती है, जिससे फिल्म के दर्शकों में एक्शन के प्रति और भी उत्सुकता पैदा होती है। साई दुर्गा तेज के अलावा, फिल्म में ऐश्वर्या लक्ष्मी, जगपति बाबू, साई कुमार, श्रीकांत और अनन्या नागला जैसे प्रतिभाशाली कलाकार नजर आएंगे। बी अजनीश लोकनाथ ने फिल्म के लिए म्यूजिक तैयार किया है। 'सांबर ला येति गट्टू' भावनाओं और बड़े पैमाने के एक्शन का एक मजबूत मिश्रण वाली फिल्म होगी। इसमें जमीनी ग्रामीण जीवन और अंदरूनी संघर्ष को बारीकी के साथ दिखाया जाएगा।

आज के कैडेट कल भारत की ताकत होंगे : मनिका विश्वकर्मा

नई दिल्ली/एजेन्सी

दिल्ली कैंट के एनसीसी कैंप में उस समय खास उत्साह देखने को मिला, जब मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 मनिका विश्वकर्मा वहां पहुंचीं। उन्होंने न सिर्फ कैडेटस से अपने अनुभव साझा किए, बल्कि उनके सभी सवालों के जवाब भी दिए। उन्होंने कैडेट को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का हौसला भी दिया। कैंप में पहुंचते ही मनिका का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्होंने कैडेटस से खुलकर बातचीत की और उनके प्रशिक्षण, दिनचर्या और भविष्य की योजनाओं के बारे में जाना। वहीं कैडेटस ने उनसे करियर, आत्मविश्वास, मंच के डर और असफलताओं से निपटने जैसे सवाल पूछे। मनिका ने बेहद सहज तरीके से सभी सवालों का जवाब दिया। मनिका ने कहा, ''यहां कई लोग मेरे बैचमेट हैं। उनमें जिम्मेदारी की भावना है, साथ ही जुनून और पक्का इरादा भी है। मैं पहले भी इस जगह पर आ चुकी हूं और आज फिर एक मेहमान के तौर पर यहां आई हूं। जो मैं अपने सामने देख रही हूं, वे भारत के मजबूत

और काबिल नागरिक हैं।' मनिका ने आगे कहा, ''एनसीसी से मिलने वाला अनुशासन और आत्मविश्वास जीवन के हर क्षेत्र में काम आता है। जो आज कैडेट हैं, वही कल भारत की ताकत होंगे। मैं यहां के लोगों में वही अनुशासन और आत्मविश्वास देख रही हूं। एनसीसी के जरिए हमने जो वैल्यूज सीखी हैं, वह एक जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करते है।''मनिका विश्वकर्मा के सफर की बात करें, तो वह आज लाखों युवाओं के लिए एक मिसाल हैं। राजस्थान के श्रीगंगानगर में जन्मीं मनिका एक साधारण परिवार से आती हैं। उनकी मां एक शिक्षिका हैं, जिन्होंने बचपन से ही उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ एक्स्ट्रा करिकुलर एक्टिविटीज में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।चार साल की उम्र में फिल्म 'मैं हूं ना' में सुष्मिता सेन को देखकर मनिका ने तय कर लिया था कि वह भी एक दिन इस मंच तक पहुंचेंगी।मनिका ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की। पढ़ाई के साथ-साथ उन्होंने क्लासिकल डांस, पेंटिंग और स्केचिंग में भी रुचि दिखाई। उन्होंने इंडिया आर्ट फेयर जैसे बड़े मंच पर अपनी कला का प्रदर्शन किया है। सामाजिक सरोकारों से जुड़ते हुए उन्होंने 'न्यूरो नोवा' नाम से एक पहल भी शुरू की, जिसका उद्देश्य अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर और न्यूरोडायवर्जेंस को लेकर जागरूकता फैलाना है।मनिका ने मिस यूनिवर्स राजस्थान 2024 का खिताब जीता और फिर 18 अगस्त 2025 को जयपुर में आयोजित ग्रैंड फिनाले में मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 बनीं। इसके बाद उन्होंने थाईलैंड में आयोजित मिस यूनिवर्स 2025 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया और टॉप 30 तक का सफर तय किया।

वाराणसी में शनिवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को वाराणसी के 'काल भैरव मंदिर' में पूजा-पाठ किया।

रैली

पश्चिम बंगाल के मालदा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पब्लिक मीटिंग में हिंदू देवी-देवताओं के रूप में सजे बच्चे।

जेब में चंद पैसे लेकर निकल पड़े थे स्टार बनने, फुटपाथ पर गुजारी कई रातें : जावेद अख्तर

मुंबई/एजेन्सी

'कभी जो ख्वाब था वो पा लिया है, मगर जो खो गई वो चीज क्या थी'... ये सिर्फ एक लाइन नहीं, जावेद अख्तर की नजर में इंसान की हकीकत है। जावेद अख्तर को जादू नाम से भी जाना जाता है और यह जादू उनके लिए पूरी तरह सही है। बॉलीवुड के मशहूर गीतकार और लेखक जावेद अख्तर किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। उनका गीत और कविताएं लाखों लोगों के दिलों को छू जाती हैं। एक ऐसा दौर भी था, जब जावेद अख्तर अपने सपनों की नगरी मुंबई पहुंचे, और जेब में उनके पास सिर्फ चंद पैसे थे। किसी के लिए यह मुश्किल समय होता है, लेकिन उन्होंने इन हालात को चुनौती के तौर पर लिया। जावेद अख्तर का जन्म 17 जनवरी 1945 को ग्वालियर में हुआ था। बचपन में वह अपने आसपास की दुनिया से काफी प्रभावित होते थे। उनके दोस्त अमीर घरों के थे और उनके पास महंगी घड़ी से लेकर फाउंटेन पेन जैसी आकर्षक चीजें रहती थीं। इन सब से प्रभावित होकर एक दिन जावेद ने ठान लिया कि वह बड़े होकर अमीर बनेंगे। उनके परिवार का माहौल भी पढ़ाई और साहित्य में गहरी रुचि रखने वाला था। जावेद के पिता और दादा दोनों शायर थे, जिससे जावेद के भीतर शब्दों और शायरी का प्यार बचपन में ही पैदा हो गया।

जावेद अख्तर ने अपनी शिक्षा लखनऊ, अलीगढ़ और भोपाल में पूरी की। बचपन में ही उन्होंने साहित्य और कविता की ओर रुचि दिखाई। उनका विश्वास हमेशा से था कि जिंदगी में कठिनाइयां आएंगी, लेकिन उनको मेहनत और ईमानदारी से पार किया जा सकता है। यही सोच के साथ वह मुंबई के सफर के लिए निकल पड़े। 1964 में जावेद अख्तर मुंबई पहुंचे। इस शहर की

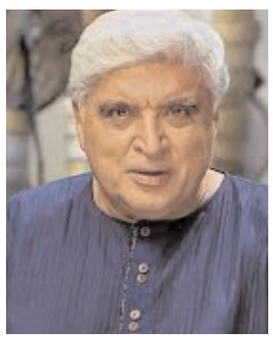

चमक-धमक और फिल्म इंडस्ट्री का आकर्षण उनके लिए नए अवसर लेकर आया, लेकिन शुरुआत बिल्कुल भी आसान नहीं थी। उनके पास केवल 27 पैसे थे। जावेद ने अपने उस समय को याद करते हुए एक इंटरव्यू में कहा था, ''जब मेरे पास इतना कम पैसा था, तब भी मेरा हौसला और आत्मविश्वास कम नहीं हुआ। मैंने ठान लिया था कि हर मुश्किल का सामना करेंगे और अपने सपनों को पूरा करेंगे।'' मुंबई में जावेद अख्तर ने कमाल अमरोही के स्टूडियो में कुछ दिन बिताए। कई रातें उन्होंने खुले आसमान के नीचे फुटपाथ पर बिताईं। शुरुआत में उन्होंने असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम किया, और कई बार हीरो के कपड़े, हीरोइन की सैंडल जैसी छोटी-छोटी जिम्मेदारियां भी निभाईं। इन अनुभवों ने उन्हें सिनेमा की दुनिया को समझने और सीखने का मौका दिया।

फिल्म इंडस्ट्री में उनके करियर की शुरुआत 'सरहदी लुटेरा' से हुई। इसके बाद उन्होंने सलीम खान के साथ मिलकर कई हिट फिल्में दीं। 'अंदाज', 'यादों की बारात', 'जंजीर', 'दीवार', 'हाथी मेरे साथी', और 'शोले' जैसी फिल्मों की पटकथा उनकी और सलीम की जोड़ी का कमाल थी। मेहनत और प्रतिभा के दम पर उन्होंने आठ फिल्मफेयर पुरस्कार अपने नाम किए। 1999 में साहित्य के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री और 2007 में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया।

जावेद अख्तर का जीवन सिर्फ फिल्मों तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने अपनी किताबों और कविताओं में अपने बचपन की यादें, संघर्ष और जिंदगी के अनुभव साझा किए। साहिर लुधियानवी और कमाल अमरोही जैसी हस्तियों के साथ उनके रिश्ते और सीखने का अनुभव उनके व्यक्तित्व का हिस्सा हैं। उनकी कहानी यह दिखाती है कि कितनी भी मुश्किल परिस्थितियां हों, अगर हौसला और लगन हो, तो हर सपना पूरा हो सकता है। आज जावेद अख्तर बॉलीवुड के उन कलाकारों में शुमार हैं, जिनकी बातें, गीत और कविताएं पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। उनके जीवन का वह दौर जब जेब में सिर्फ 27 पैसे थे, अब लोगों के लिए हौसले और सपनों की मिसाल बन गया है।

जिंदा हैं भोजपुरी एक्ट्रेस अंजना सिंह, सोशल मीडिया पर फैली खबरों का किया खंडन

मुंबई/एजेन्सी

अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, काजल अग्रवाल और रजनीकांत जैसे सुपरस्टार की मौत की खबर सोशल मीडिया पर वायरल हो चुकी है। अब भोजपुरी की बड़ी एक्ट्रेस अंजना सिंह की मौत की खबर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, लेकिन खुद अभिनेत्री ने पोस्ट के जरिए अपने फैंस को जानकारी दी है कि वे जिंदा हैं और बिल्कुल सुरक्षित हैं। 'इंस्टाग्राम क्वीन' अंजना सिंह ने एक पोस्ट शेयर किया है, जिस पर उनकी हंसती-मुस्कुराती फोटो लगी है और लिखा है- आरआईपी। इतना ही नहीं, तस्वीर पर गेंदे की माला भी मौजूद है। ऐसा लग रहा है कि सच में अभिनेत्री ने दुनिया को अलविदा कह दिया है, लेकिन फोटो ऑरिजनल नहीं, बल्कि एडिटेड है। फोटो पर लिखा है, रोड एक्सीडेंट में भोजपुरी फिल्म जगत की मशहूर अभिनेत्री का निधन। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, फेक न्यूज, बिल्कुल भी भरोसा न करें, अंजना सिंह बिल्कुल सुरक्षित हैं।

अपनी फेवरेट अभिनेत्री के निधन पर फैली फेक न्यूज की वजह से फैंस बहुत आहत हैं और ऐसी खबरें फैलाने वालों को जमकर कोस रहे हैं। ये पहला मौका नहीं है जब फैंस की भावनाओं को ऐसे आहत किया गया हो। इससे पहले धर्मेंद्र के निधन की गलत खबरों से भी पूरे देश में शोक की लहर दौड़ पड़ी थी। तब सनी देओल, हेमा मालिनी और ईशा देओल ने सोशल मीडिया पर फैल रही खबरों का खंडन किया था और मीडिया पर गुस्सा भी जाहिर किया था।बात अगर

अंजना सिंह की करें तो अभिनेत्री फिल्मों से लेकर सोशल मीडिया पोस्ट तक को लेकर छाई रहती हैं। अभिनेत्री अपनी बेटी के साथ सेट पर मस्ती की वीडियो के जरिए भी फैंस का दिल जीतने का मौका नहीं छोड़ती। फिलहाल वे अपनी अपकमिंग फिल्म 'सोच बहू की' की शूटिंग में बिजी हैं और शूट की कुछ झलकियां दिखाती रहती हैं।बता दें कि अंजना सिंह सिंगल मदर हैं और अकेले ही अपनी बेटी अदिति का पालन पोषण करती हैं। अंजना की शादी भोजपुरी के स्टार यश कुमार से हुई थी, लेकिन 5 साल बाद दोनों का रिश्ता टूट गया। यश ने निधि झा से शादी कर ली है और दोनों के दो बच्चे भी हैं, जबकि अंजना आज भी सिंगल मदर बनकर करियर और परिवार दोनों संभाल रही हैं।

दक्षिण प्रांत विद्वानों, मनीषियों एवं भक्तों की जन्मस्थली है : कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय बागेश्वर धाम मंडल द्वारा एसपीआर परिसर में तीन दिवसीय 'भक्त चरित्र' कथा का आयोजन किया गया। कथा के के प्रथम दिवस पर मथुरा वृन्दावन से आए कथावाचक इंद्रेश उपाध्याय ने कहा कि दक्षिण भारत की पवित्र भूमि प्रकांड विद्वानों, मनीषियों एवं ठाकुर जी के अनेक रूपों में भक्ति करने वाले असंख्य भक्तों से अटी पड़ी है। उन्होंने कहा कि उन्हें प्रथम बार चेन्नई में 'भक्त चरित्र' कथा करने का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि दक्षिण भारतीय लोग अभी भी अपनी मूल परंपराओं से जुड़े हुए है, उनका आवरण अभी भी भक्तिमय है। पूर्ण सनातनी आवरण यहां की धरती पर ही देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि तिलक लगाना यहां की प्राचीन परंपरा है वहीं उत्तर भारत में इसका लोप होता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यहां भक्ति लोगो के जीवन का हिस्सा है। भक्ति महारानी का प्रादुर्भाव इसी दक्षिण भारत में हुआ है यहां से कई महापुरुष उत्तर भारत में जाकर भक्ति का मार्ग प्रशस्त करके आए है । उन्होंने कहा कि दक्षिण भारत की पवित्र भूमि विद्वानों एवं भक्तों को जन्मस्थली है।। उन्होंने कहा कि जहां उत्तर भारत में भक्ति भाव प्रधान है वहीं दक्षिण भारत में भक्ति वैदिक रीति रिवाज प्रधान है। उन्होंने कहा कि इस प्रांगण में उपस्थित लोगों में दोनों का सामंजस्य है। कथावाचक ने बरसाना में रहने वाले गुलाब खान की अनन्य भक्ति एवं उसकी पुत्री राधा की कथा सुनाते हुए कहा कि राधा रानी अपने सभी भक्तों पर कृपा अवश्य करती है। राधा नाम कोई साधारण नाम नहीं है ये उस दिव्यशक्ति का नाम है जिसकी महिमा वही जान सकते है जिसने इस नाम का स्मरण किया होगा। इन्द्रेशजी ने कहा कि जो राधा नाम का जाप करता है उसके ऊपर समस्त देवताओं की कृपा बनी रहती है। कथा के प्रथम दिन ही कथा पंडाल भक्तों से खचाखच भरा रहा । कथा आयोजक बागेश्वर धाम भक्त मंडल एवं श्याम सत्संग ट्रस्ट चेन्नई के अनेक पदाधिकारीगण कथा व्यवस्था में लगे हुए थे।

शक्ति अम्मा के सान्निध्य में श्रीपुरम स्वर्ण मंदिर में गौ पोंगल मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेल्लोर। वेल्लोर स्थित नारायणी पीठम के श्रीपुरम स्वर्ण मंदिर परिसर में गौ पोंगल एवं मट्टु पोंगल का पर्व श्रद्धा, भक्ति और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर स्थित गौशाला में 600 से अधिक गायों की पूजा की गई। शुक्रवार को गौ पोंगल के अवसर पर कामधेनु महा यज्ञम का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। यज्ञ के माध्यम से गौ माता के संरक्षण, स्वास्थ्य एवं लोककल्याण की कामना की गई। मट्टु पोंगल उत्सव भी पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। गायों को सजाकर विधिवत पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम में पीठाधिपति शक्ति अम्मा ने भाग लिया और गौ माता की पूजा की।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सेलम के शंकरनगर में अभिव्यक्ति के अंतर्गत सेवा प्रोजेक्ट की मुख्य प्रभारी शीतल बोहरा व सहसंयोजिका रेखा पोद्दार के नेतृत्व में मकर संक्रांति पर्व के उपलक्ष्य में 200 जरूरतमंदों को भोजन कराया। संस्थापक सदस्य कंचन सेठिया, सेवा प्रोजेक्ट कमेटी की सदस्या संगीता फुलफगर आदि ने सेवाएं प्रदान की।

निर्वाचन आयोग अपनी विश्वसनीयता खो रहा है : शर्मा

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने शनिवार को दावा किया कि निर्वाचन आयोग (ईसी) अपनी विश्वसनीयता और जनता का भरोसा खो रहा है। उन्होंने साथ ही कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की ओर से उठाये गए मुद्दों का समाधान किया जाना चाहिए। शर्मा ने कहा कि निर्वाचन आयोग को अपनी खोई हुई विश्वसनीयता को फिर से हासिल करने के लिए अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करना होगा।

पूर्व केंद्रीय मंत्री की यह टिप्पणी गांधी के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि वोट चोरी एक राष्ट्र विरोधी कृत्य है और निर्वाचन आयोग पर नागरिकों को गुमराह करने का आरोप लगाया था। गांधी की यह टिप्पणी महाराष्ट्र महानगरपालिका चुनावों में मार्कर पेन में इस्तेमाल की गई स्याही की गुणवत्ता को लेकर हुए विवाद के बाद आई है। महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) ने कहा है कि वह महानगरपालिका चुनावों में इस्तेमाल किए गए मार्कर पेन की स्याही की गुणवत्ता की गहन जांच करेगा, क्योंकि विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया है कि मतदाता की उंगली पर लगे निशान को आसानी से मिटाया जा सकता है, जिससे फर्जी मतदान की आशंका है।

शर्मा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव मतदाताओं का विश्वास और भरोसा जगाने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने दावा किया, निर्वाचन आयोग को निष्पक्ष और न्यायसंगत दिखना चाहिए। संवैधानिक दायित्व के तहत इसे सुनिश्चित करने वाला निर्वाचन आयोग अपनी विश्वसनीयता और लोगों का भरोसा खो रहा है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि बिहार में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), कई चुनाव वाले राज्यों में जारी प्रक्रिया और वैध मतदाताओं के बड़े पैमाने पर नाम हटाने और उन्हें परेशान करने से लक्षित मताधिकार से वंचित करने की गंभीर आशंकाएं पैदा हो गई हैं। उन्होंने कहा, ईवीएम में छेड़छाड़ और दुरुपयोग के मामले में अभी भी निर्णायक फैसला आना बाकी है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा उठाए गए मुद्दों को इसी परिप्रेक्ष्य में देखना होगा और इनका समाधान करना होगा।

अखिल भारतीय राजपुरोहित क्रिकेट टूर्नामेंट के साथ महिला सशक्तिकरण का दिया संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के खेतेश्वर यूथ स्पोर्ट्स क्लब, राजपुरोहित समाज चेन्नई तथा पुरोहित स्पोर्ट्स इंड, आरएस के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतीय राजपुरोहित क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। महिला सशक्तिकरण विषय पर विशेष कार्यक्रम शुक्रवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में समाज, खेल और महिला नेतृत्व की सशक्त भागीदारी देखने को मिली। इस अवसर पर बाल कल्याण समिति जालोर की अध्यक्ष लीला कंवर राजपुरोहित मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। कार्यक्रम में अंकलेश्वर नगर निगम की लीला देवी, पत्रकार पिंकी राजपुरोहि तथा राज्य स्तरीय हॉकी खिलाड़ी भूमिका राजपुरोहित विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद थी। सभी अतिथियों द्वारा महिला सशक्तिकरण, खेलों में महिलाओं की भागीदारी और सामाजिक जागरूकता पर अपने विचार साझा किए। इस मौके पर क्रिकेट प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। आयोजकों ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल क्रिकेट प्रतियोगिता तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में महिलाओं को आत्मनिर्भर, शिक्षित और नेतृत्व के लिए प्रेरित करना भी है। खेल के माध्यम से एकजुटता, अनुशासन और सकारात्मक सोच का संदेश दिया जाएगा, ताकि युवा पीढ़ी सामाजिक जिम्मेदारियों को समझ सके।

राजपुरोहित समाज के साथ-साथ शहर के खेल प्रेमियों और समाजसेवियों में इस कार्यक्रम को लेकर खासा उत्साह देखा गया।

गुरुनानक महाविद्यालय में 'भारतीय ज्ञान परंपरा' पर राष्ट्रीय सम्मेलन 22 से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा गुरुनानक महाविद्यालय में 22 जनवरी से दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन मिश्रित प्रणाली (हाइब्रिड मोड) में होगा। सम्मेलन का विषय 'भारतीय ज्ञान परंपरा एवं नवाचार का एकीकरण- विकसित भारत 2047 का रोडमैप है। यह सम्मेलन डीन अकादमिक कार्यालय द्वारा बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) प्रकोष्ठ के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इस सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, उद्योग जगत के व्यवसायी, नीति निर्माताओं, शोधार्थियों एवं छात्रों को समकालीन सामाजिक तथा विकासात्मक चुनौतियों के समाधान में भारतीय ज्ञान परंपराओं की प्रासंगिकता पर विचार-विमर्श करने के लिए एक सम्मिलित मंच प्रदान करना है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, शासन, सतत विकास

एवं दर्शन के क्षेत्र में भारत की समृद्ध स्वदेशी परंपराओं से प्रेरणा लेते हुए यह आयोजन इस बात का अध्ययन करना चाहता है कि समावेशी और सतत राष्ट्रीय विकास को समर्थन देने के लिए पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक नवाचार के साथ सार्थक रूप से कैसे एकीकृत किया जा सकता है।

इस सम्मेलन का उद्घाटन महाराष्ट्र के स्वामी रामानंद तीर्थ मराठवाड़ा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. पंडित भालचंद्र विद्यासागर तथा तिरुवरूर स्थित तमिलनाडु केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एम. कृष्णन के विशिष्ट नेतृत्व में होगा। समापन सत्र में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की कुलपति प्रो. शांतिश्री धुलिपुडी पंडित विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

समापन सत्र में गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, गांधीग्राम के कुलपति प्रो. एन. पंचनाथम भी उपस्थित रहेंगे। इस सम्मेलन में अभियांत्रिकीय एवं प्रौद्योगिकी, बुनियादी एवं चिकित्सा विज्ञान, वाणिज्य एवं प्रबंधन, कानून, सामाजिक विज्ञान, भाषाएँ तथा अंतःविषयक अध्ययन जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा होगी।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री के खिलाफ अभियान तेज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक सामग्री के खिलाफ जारी अभियान के तहत अब तक कुल 1,018 लिंक और प्रोफाइल की पहचान की गई है। हरियाणा पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इनमें से 583 को पहले ही हटा दिया गया है या ब्लॉक कर दिया गया है।

राज्य की पुलिस ने सोशल मीडिया पर बढ़ती अवैध और आपत्तिजनक गतिविधियों के खिलाफ एक डिजिटल अभियान शुरू किया है और यह पहल इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से चलाई जा रही है। पुलिस ने एक बयान में कहा, तनाव और भ्रम पैदा करने वाली आपत्तिजनक, राष्ट्रविरोधी, धर्मविरोधी और भ्रामक सामग्री सोशल मीडिया पर लगातार पोस्ट की जा रही थी, जिसके कारण समन्वित कार्रवाई आवश्यक हो गई है। इसी उद्देश्य से हरियाणा की साइबर टीम ने लगभग एक महीने पहले से ही सोशल मीडिया मंचों की निरंतर निगरानी शुरू कर दी थी। बयान के अनुसार यह अभियान अभी तक जारी है।इसमें कहा गया, इस अभियान के तहत अब तक कुल 1,018 आपत्तिजनक लिंक और प्रोफाइल की पहचान की गई है, जिनमें से 583 को सोशल मीडिया मंच संबंधित कंपनियों द्वारा पहले ही हटा दिया गया है या ब्लॉक कर दिया गया है। इसके अनुसार, शेष 435 की समीक्षा चल रही हैं और इन्हें जल्द हटाया जाएगा।

इसमें कहा गया, इस तरह की सामग्री (तनाव और भ्रम पैदा करने वाली) का पता चलते ही सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत संबंधित सोशल मीडिया मंच को नोटिस जारी कर उसे तुरंत हटाने का निर्देश दिया जाता है।

बयान के अनुसार, इस प्रक्रिया के किसी भी तरह की नरमी नहीं बरती जा रही है।

हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने बताया कि डिजिटल धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों को देखते हुए पुलिस ने एक और बड़ा अभियान शुरू किया है।

साइबर हरियाणा ने देशभर में संदिग्ध ट्रेडिंग और निवेश ऐप और चैनलों के पर नियंत्रण करने के लिए 12 जनवरी को एक विशेष और सुव्यवस्थित अभियान शुरू किया।

राधा कृष्ण मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव हेतु कुमावत समाज को दिया गया न्यौता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कुमावत समाज मुलेकड़े में होने वाले श्री राधा कृष्ण मंदिर प्राणप्रतिष्ठा महोत्सव के उपलक्ष्य कुमावत समाज को औपचारिक रूप से आमंत्रण प्रदान किया गया। इस धार्मिक आयोजन में 8 फरवरी को जागरण एवं 9 फरवरी को प्राणप्रतिष्ठा समारोह संपन्न होगा। समाज के पुखराज मानणिया, माणकचंद नागोरा, मदनलाल दुबलदिया, चंपालाल मावर ने हैदराबाद पहुंच कर कुमावत समाज के पदाधिकारियों को निमंत्रण पत्र प्रदान किया।

मकर संक्रांति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबटूर के मिईलेरिपालयम स्थित भगवान महावीर गौशाला में माट्टू पोंगल का आयोजन किया गया। सुबह यज्ञ का आयोजन किया गया और गौमाता पूजा की गई। गौशाला के 1200 गायों को स्नान कराकर उन्हें सजाया गया व उनकी पूजा की। गौशाला के अध्यक्ष इंदरचंद कोठारी ने सभी का स्वागत किया। इस आयोजन में कोषाध्यक्ष आनंद कोटेचा, कीर्ति गादिया, नरपत लुनावत, जितेन्द्र चौहान, तरुण रांका, भूरचन्द बाफना, मुकेश सालेचा, किशोर जैन, दिलीपकुमार आदि उपस्थित थे।

विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के सारथी सेवा फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी व अन्य साधु साध्वियों के सान्निध्य में शनिवार को पुष्कर जैन भवन में संस्था की अधिकारिक टी-शर्ट का विमोचन किया गया। नरेशमुनिजी ने फाउंडेशन के कार्यों की सराहना की। महावीर गुगलिया ने बताया कि इस मौके पर अलग अलग संघों के अनेक सदस्य मौजूद थे।

तेरापंथ महिला मंडल द्वारा 'मर्यादा क्वेस्ट' क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा श्रावक संदेशिका पर आधारित 'मर्यादा क्वेस्ट-चलो खोजें मर्यादा का मर्म' क्विज प्रतियोगिता का आयोजन तेरापंथ भवन में किया गया। अध्यक्ष महिमा पटावरी ने सभी का स्वागत करते हुए मर्यादा क्विज की रूपरेखा एवं जानकारी देते हुए आगामी 4 फरवरी को मंडल द्वारा आयोजित होने वाले सर्वाइकल कैंसर जांच शिविर की जानकारी दी। प्रतियोगिता में ब्राह्मी, सुंदरी और कौशल्या ग्रुप की प्रस्तुति का मूल्यांकन पूर्व अध्यक्षा कुसुम डांगी एवं परामर्शक राकेश दुधेड़िया ने किया। दुधेड़िया ने कहा कि मर्यादा का जीवन में बहुत महत्व है। किसी भी क्षेत्र में अनुशासन बनाए रखने में लिए मर्यादा महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। वर्तमान परिवेश में इस तरह की प्रतियोगिता होना आवश्यक है। इससे विवेक का जागरण होता है तथा धर्म संघ की गतिविधियों और नियमों की जानकारी होती है। कुसुम डांगी ने भी कहा कि श्रावक- श्राविकाओं को अपने कर्तव्यों और दायित्वों के प्रति जागृत करने की दिशा में यह एक अच्छा कदम है। प्रतियोगिता में ब्राह्मी ग्रुप ने प्रथम तथा सुंदरी ग्रुप ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। महिला मंडल द्वारा निर्णायक मंडल का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन ममता मांडोत ने किया तथा मोनिका गांधी ने उपस्थित सभी 27 सदस्याओं को धन्यवाद दिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.